Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 253 रविवार ,17 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

धर्म-कर्म,सत्य,सदाचार शक्ति एवं लक्ष्मी सभी शील पर आश्रित हैं। शील इन सबकी जड़ है।
-वेदव्यास-

टीएस सिंहदेव ने दिया इस्तीफा

टीएस सिंहदेव के इस्तीफे के बाद राजनीति गरमाई,विपक्ष भी नहीं रहा पीछे

टीएस सिंहदेव का इस्तीफा एक की जगह सारे पदों से देना चाहिएःसमर्थक

अंबिकापुर 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ सरकार में पंचायत स्वास्थ्य सहित अन्य कई विभागों की जिम्मेदारी सम्हाल रहे केबिनेट मंत्री सरगुजा के अम्बिकापुर विधायक टीएस सिंहदेव ने पंचायत मंत्री की अपनी जिम्मेदारी से स्तीफा दे दिया ऐसी खबर सामने आ रही है। पंचायत मंत्री के अपने प्रभार से टी एस सिंहदेव के स्तिफे को लेकर अब उनके समर्थकों का कहना है कि वह पूरी तरह स्तीफा दें क्योंकि उनका छत्तीसगढ़ की वर्तमान सरकार में कोई भी पूछ परख नहीं है उन्हें बिल्कुल किनारे कर दिया गया है जो सोशल मीडिया में जारी पोस्टों से समझा ज सकता है। कांग्रेस के दिग्गज नेता और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की 15 साल बाद वापसी का श्रेय यदि किकिसी को जाता है तो वह टी एस सिंहदेव को जाता है और उनकी जन घोषणा पत्र को जाता है जैसा लोगों का मानना भी है और जो शायद सत्य भी है। कांग्रेस के दिग्गज नेता तथा छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं पंचायत मंत्री टीएस सिंहदेव ने शनिवार को अचानक पंचायत मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि वे स्वास्थ्य मंत्री व अन्य पदों पर बने रहेंगे। उन्होंने सीएम को चार पेज के लिखे एक पत्र में पंचायत मंत्री के पद से इस्तीफे के कारणों का उल्लेख किया है। इसमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत छत्तीसगढ़ में आवास नहीं बनाया जाना एक प्रमुख कारण है।

गौरतलब है कि टीएस सिंहदेव 14 जुलाई को जब सरगुजा के दौरे पर आए थे, तब से ही इस तरह के कयास लगाए जा रहे थे कि वे कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने शुक्रवार को अविभाजित सरगुजा के तीनों जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ एक बैठक भी की थी। इसके बाद शनिवार को उन्होंने पंचायत विभाग के मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वे अपने प्रभार वाले बाकी विभागों में कैबिनेट मंत्री के रूप में बने रहेंगे। स्वास्थ्य मंत्री के पास अब लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, बीस सूत्रीय वाणिज्यिक कर का प्रभार है।

सीएम को भेजे गए लेटर में ये लिखा

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने सीएम को भेजे गए पत्र में लिखा कि विगत 3 से अधिक वर्षों से मैं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के भारसाधक मंत्री के रूप में कार्य कर रहा हूं। इस दौरान कुछ ऐसी परिस्थितियां निर्मित हुई है जिससे आपको अवगत कराना चाहता हूं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् प्रदेश के आवास विहीन लोगों को आवास बनाकर दिया जाना था जिसके लिए मैंने कई बार आपसे चर्चा कर राशि आवंटन का अनुरोध किया था किन्तु इस योजना में राशि उपलब्ध नहीं की जा सकी। फलस्वरूप प्रदेश के लगभग 8 लाख लोगों के लिए आवास नहीं बनाए जा सके। इसके अतिरिक्त 8 लाख घर बनाने में से करीब 10 हजार करोड प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सहायक होते हमारे जन घोषणा पत्र में छत्तीसगढ़ के 36 लक्ष्य अंतर्गत ग्रामीण आवास का अधिकार प्रमुख रूप से उल्लेखित है। विचारणीय है कि प्रदेश में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में बेघर लोगों के लिए एक भी आवास नहीं बनाया जा सका और योजना की प्रगति निरंक रही। मुझे दुःख है कि इस योजना का लाभ प्रदेश के आवास विहीन लोगों को नहीं मिल सका। यह भी नाराजगी का कारण पत्र में सिंहदेव ने आगे लिखा है कि किसी भी विभाग के अधीन विवेकाधीन योजनाओं के अंतर्गत कार्यों की स्वीकृति का अनुमोदन उस विभाग के भारसाधक मंत्री का निर्धारित अधिकार है। किन्तु मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के अंतर्गत कार्यों की अंतिम स्वीकृति हेतु रूल्स ऑफ बिजनेस के विपरीत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सचिवों की एक समिति गठित की गयी। कार्यों की स्वीकृति हेतु मंत्री के अनुमोदन उपरांत अंतिम निर्णय मुख्य सचिव की समिति द्वारा लिये जाने की प्रक्रिया बनाई गई जो प्रोटोकाल के विपरीत और सर्वथा अनुचित है। इस पर मेरे द्वारा समय-समय पर लिखित रूप से आपत्ति दर्ज कराई गई। किन्तु आज तक इस व्यवस्था को सुधारा नहीं जा सका है फलस्वरूप 500 करोड़ से ज्यादा की राशि का उपयोग मंत्री/विधायक/ जनप्रतिनिधि के सुझावों के अनुसार विकास कार्यों में नहीं किया जा सका। वर्तमान में पंचायतों में अनेक विकास कार्य प्रारंभ ही नहीं हो पाए।

पेसा अधिनियम का भी किया जिक्र

टीएस ने पत्र में लिखा है कि पेसा अधिनियम आदिवासी भाई-बहनों के अधिकारों के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इसे प्रदेश लागू करने के संबंध में जनघोषणा-पत्र में भी वादा किया था तथा काफी मेहनत से नियम बनाये गये थे ताकि उसे सफलतापूर्वक प्रदेश में लागू किया जा सके। 13 जून, 2020 से प्रदेश के आदिवासी ब्लॉकों में जाकर, वहां के स्थानीय लोगों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों इत्यादि से निरंतर 2 वर्षों से संवाद स्थापित कर इसका प्रारूप तैयार किया गया किन्तु विभाग द्वारा जो प्रारूप कैबिनेट कमेटी को भेजा गया था। इसके अनुसार चर्चा हुई उसमें जल, जंगल जमीन से संबंधित महत्वपूर्ण बिन्दुओं को बदल कर कैबिनेट की प्रेसिका में शायद पहली बार बदल दिया गया। भारसाधक मंत्री को विश्वास में नहीं लिया गया जो कि अस्वस्थ परम्परा को स्थापित करेगा। इस विषय पर पृथक से मैंने व्यक्तिगत पत्र भी आपको लिखा है।

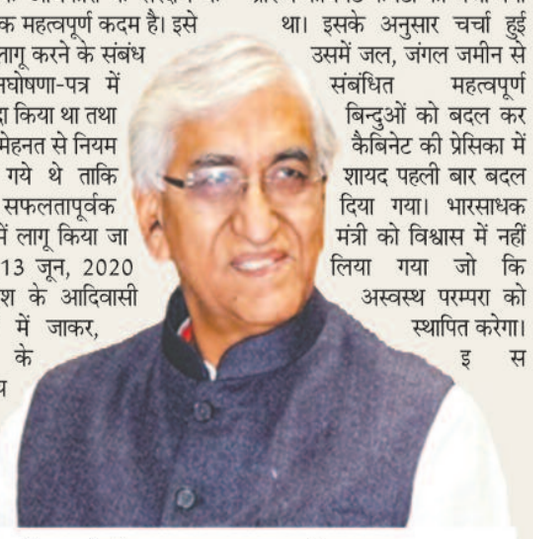

- **इस्तीफा भले ही एक पद से दिया हूं पर इस्तीफे की खबर छत्तीसगढ़ के लिए बड़ी घटना समझा जा रहा है**
- **टीएस सिंहदेव के इस्तीफे पर रामविचार नेताम ने कहा इस्तीफा देने में हुई देरी बहुत पहले ही दे देना था इस्तीफा**
- **टीएस सिहंदेव ने सीएम को लिखा पत्र, बताया- किस वजह से पंचायत मंत्री के पद से देना पड़ा इस्तीफा**
- **टीएस सिंहदेव ने दिया इस्तीफा,पंचायत मंत्री की जवाबदेही से है यह इस्तीफा**
- **अन्य समस्त विभागों के मंत्री बने रहेंगे टी एस सिंहदेव,स्वास्थ्य सहित बने रहेंगे अन्य विभागों के मंत्री।**
- **टीएस सिंहदेव के स्तिफे की खबर पर जारी है चर्चा, समर्थकों का कहना है दें पूरी तरह इस्तीफा।**

जनघोषणा में किए गए सभी वादे नहीं हुए पूरे

सिंहदेव ने सीएम को पत्र में लिखा कि जनघोषणा पत्र में किए गए वादों में पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों को पूर्ण रूप से लागू करना भी है जिसके लिए आपसे कई बार चर्चा तथा विभागीय तौर पर भी पहल की किन्तु मुझे यह निराश मन से कहना पड़ रहा है कि इस पर आज पर्यन्त कोई भी सहमति सकारात्मक पहल नहीं हो पाई। महात्मा गांधी नरेगा योजना का सफल क्रियान्वयन इस प्रदेश में हुआ है। उल्लेखनीय है कि कोरोना काल में जब जरूरतमंदों को रोजगार की सबसे ज्यादा जरूरत थी, छत्तीसगढ़ इस योजना के क्रियान्वयन में सम्पूर्ण भारत में अग्रणी रहा। 20 हजार से अधिक कोविडकेयर सेंटर्स का सफलतापूर्वक संचालन पंचायतों द्वारा किया गया। प्रदेश के ग्रामीण अंचलों मे योजना के माध्यम से हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार देने में सफल रहे। जिसकी प्रशंसा देश के सभी हिस्सों में हुई। मनरेगा का कार्य करने वाले रोजगार सहायकों के मेहनत को देखते हुये उनके वेतनवृद्धि का प्रस्ताव पंचायत विभाग द्वारा वित्त विभाग को प्रेषित किया गया जो कि वित्त विभाग की सहमति न मिलने के कारण आजपर्यन्त लंबित है। इस विषय पर व्यक्तिगत तौर पर आपसे कई बार चर्चा हुई।

साजिश के तहत रोजगार सहायकों को कराया गया हड़ताल

श्री सिंहदेव ने पत्र में लिखा कि एक साजिश के तहत् रोजगार सहायकों से हड़ताल करवाकर मनरेगा के कार्यों को प्रभावित किया गया। इसमें सहायक परियोजना अधिकारियों (संविदा) की भूमिका स्पष्ट रूप से निकल कर आई। स्वयं आपके द्वारा हडतालरत कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने के लिए एक कमेटी गठित की गई, इसके बाद भी हड़ताल वापस नहीं ली गई। हड़ताल के कारण लगभग 1250 करोड का गजदूरी भुगतान प्रभावित हुआ तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नहीं पहुंच सका। समन्वय के माध्यम से आपसे अनुमोदन लेकर सहायक परियोजना अधिकारियों (संविदा) के स्थान पर रेगुलर सहायक परियोजना अधिकारियों की पदस्थापना भी कर दी गयी थी ताकि मनरेगा का कार्य सुचारू रूप से चल सके और रोजगार की तालाश कर रहे नागरिको को रोजगार से वंचित न होना पड़े। टीएस ने लिखा कि जब हमारे प्रदेश को रोजगार की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तो

बहुत पहले बाबा को इस्तीफा दे देना था

पूर्व राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम ने कहा कि टीएस बाबा इस्तीफा देने में काफी विलंब कर दिए हैं इन्हें तो कब का इस्तीफा दे देना चाहिए था और वैसे भी इन्होंने एक पदों से इस्तीफा दिया है इन्हें संपूर्ण मंत्री पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए था इनके पासमंत्री होने के बाद भी कोई अधिकार नहीं थे जबकि मंत्रियों के पास कितने अधिकार होते हैं यह सभी को पता है पर अधिकार ना मिलना भी बाबा के लिए व बाबा समर्थकों के लिए काफी निराशाजनक रहा।

जगदीप धनखड़ एनडीए के उपराष्ट्रपति कैंडिडेट

नई दिल्ली, 16 जुलाई 2022। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को देश के उप-राष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार चुना है। भाजपा की संसदीय बोर्ड की बैठक में एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में धनखड़ के नाम का ऐलान किया गया।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनके नाम की घोषणा की। जगदीप धनखड़ ने आज दोपहर में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इसके अलावा गृहमंत्री अमित शाह से भी उनकी मुलाकात हुई थी।

छह अगस्त को होगी वोटिंग

गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारों का नामांकन 19 जुलाई तक होगा। इसके बाद 20 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। 22 जुलाई तक नामांकन करने वाले उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। वहीं 6 अगस्त को उपराष्ट्रपति चुनाव की वोटिंग होगी।

भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में फैसला

पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में शनिवार शाम हुई भाजपा संसदीय दल की बैठक में यह फैसला लिया गया। यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी और भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता में हुई। दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के संगठन महासचिव बी एल संतोष शामिल हुए। बैठक के बाद किया ऐलान

बैठक के बाद जेपी नड्डा ने संवाददाता सम्मेलन में इस फैसले का ऐलान किया। उन्होंने कहाकि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उप-राष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी किसान पुत्र जगदीप धनखड़ जी को घोषित करती है।

मेक्सिको में नौसेना का ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर क्रैश, 14 लोगों की दर्दनाक मौत, एकमात्र जीवित

नई दिल्ली, 16 जुलाई 2022। इस वक्त मैक्सिकन से बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल यहां नौसेना का ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई है। फिलहाल ये हादसा किस वजह से हुई इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर में 15 लोग सवार थे और सिनालोआ राज्य में दुर्घटना के बाद एकमात्र जीवित बचे।नौसेना ने कहा ÷हम इस दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वालों की मौत पर शोक व्यक्त करते हैं।

असली पुलिस के पास पहुंचा नकली

दो सगे भाई वर्दी पहनकर देते थे वारदात को अंजाम,दिन में रेकी और रात में चोरी

भोपाल, 16 जुलाई 2022। पुलिस की वर्दी पहनकर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो सगे भाई असली पुलिस के हत्थे चढ़ गए हैं। पुलिस ने नकली पुलिस गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर किया है। आरोपियों के पास से लाखों का सामान बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार प्रदेश की राजधानी भोपाल में नकली पुलिस गैंग पुलिस की नाक में दम कर रखा था। गैंग के सदस्य पुलिस की वर्दी पहन कर पहले बाइक से रेकी करते थे। गैंग में शामिल दोनों सगे भाई के गिरोह ने भोपाल में कई चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी पुलिस से बचने के लिए पुलिस की खाकी वर्दी पहनते थे। आरोपी ओला और रैपीडो में बाइक टैक्सी चलाते थे।

पुलिस ने बताया कि दिन में रेकी कर रात में चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। एक भाई भोपाल में चोरी करता और दूसरा भाई इंदौर में माल को ठिकाने लगाता था। भोपाल क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपियों को दबोचा है। आरोपियों के पास से लाखों का सामान भी बरामद हुआ है। आरोपियों से पूछताछ में कई चोरियों के खुलासे होने की उम्मीद है।

नीतीश कुमार ने नहीं उठाया फोन,एनडीए का रबर स्टैंप होंगी द्रौपदी मुर्मूःयशवंत सिन्हा

नई दिल्ली, 16 जुलाई 2022। देश में राष्ट्रपति चुनाव 18 जुलाई को होने जा रही है। एनडीए ने राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मू को अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस प्रत्याशी नहीं उतारने का फैसला लेकर अन्य विपक्षी दलों के प्रत्याशी को अपना समर्थन देने का फैसला पहले ही कर चुकी है और विपक्षी दलों के प्रत्याशी का समर्थन करने का फैसला किया है। विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए यशवंत सिन्हा को अपना प्रत्याशी बनाया है।

चुनाव प्रचार के बीच यशवंत सिन्हा ने दावा किया कि जब उन्होंने अपनी उम्मीदवारी को लेकर संपर्क करना चाहा, तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनका फोन उठाने से इंकार कर दिया। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में नीतीश कुमार के साथ मंत्रिमंडल में रहे सिन्हा ने कहा कि जब विपक्षी दलों ने मुझे अपना साझा उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया, तो कई राज्यों में फोन के जरिए संपर्क साधने

के क्रम में बिहार के मुख्यमंत्री को भी कई बार संदेश भिजवाया कि मैं उनसे बात करना चाहता हूं, पर शायद 'स्टेटस' की तुलना में इतना नीचे था कि उन्होंने मुझसे बात करना उचित नहीं समझा। सिन्हा 18 जुलाई को होने वाले राट्रपति पद के चुनाव के लिए प्रचार करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।

इस मौके पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, बॉलीवुड अभिनेता से नेता बने शत्रुघ्न सिन्हा और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के करीबी सुधींद्र कुलकर्णी भी मौजूद थे। सिन्हा ने कहा कि अगर नीतीश कुमार से उनकी बात हुई होती, तो वह यही कहते कि उन्हें बिहार के बारे में सोचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बिहार से उम्मीदवार होने के बावजूद वह मेरे समर्थन में आगे नहीं आ रहे हैं, यह मेरी समझ में नहीं आ रहा है क्योंकि जिस दिन द्रौपदी मुर्मू के नाम की घोषणा गई, नवीन पटनायक ने भी उसी दिन घोषणा कर दी कि चूंकि वह ओडिशा की बेटी हैं, इसलिए वह उनका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके पहले भी प्रतिभा पाटिल के उम्मीदवार बनने पर शिवसेना ने पंक्ति तोड़ते हुए उनके समर्थन की घोषणा कर दी थी।

सिन्हा ने कहा कि यह बिहार के लिए अच्छा होगा यदि 60 साल के अंतराल के बाद मिट्टी का एक और बेटा शीर्ष पद पर आसीन हो, जो डॉ. राजेंद्र प्रसाद के पास था। उन्होंने कहा कि यह वह शहर है, जहां मेरा जन्म हुआ, मैंने अपनी शिक्षा प्राप्त की, पटना विश्वविद्यालय में पढ़ाया और बिहार काडर के आईएएस अधिकारी के रूप में मैंने सेवा दी।

सिद्धू,मेहंदी को पटियाला जेल में एक ही बैरक में रखा गया

चंडीगढ़, 16 जुलाई 2022। पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता नवजोत सिद्धू और पंजाबी गायक दलेर मेहंदी को पटियाला जेल प्रशासन ने एक ही बैरक में रखा है। बता दें कि सिद्धू और दलेर मेहंदी पुराने दोस्त हैं। वे कई टीवी शो में इकट्ठे हुए हैं। दलेर मेहंदी को जेल में मुंशी का काम दिया गया है। वह भी सिद्धू की तरह बैरक से ही काम करेंगे। जेल कर्मचारी उन्हें रोजाना रजिस्टर देकर जाएंगे। इससे पहले सिद्धू को भी जेल में क्लर्क का काम दिया गया है।

सिद्धू इस मामले में काट रहे सजा-नवजोत सिद्धू 34 साल पुराने रोड रेज केस में एक साल कैद की सजा काट रहे हैं। सिद्धू को पहले इस मामले में सिर्फ जुर्माना लगाकर छोड़ दिया गया था। परिवार ने इसके खिलाफ पुनर्विचार याचिका दाखिल कर दी तब सुप्रीम कोर्ट ने फैसला बदलते हुए सिद्धू को एक साल बामशक्कत कैद की सजा सुना दी।

दलेर को 'कबूतरबाजी' के केस में हुई सजा

दलेर मेहंदी को कबूतरबाजी यानी मानव तस्करी केस में सजा हुई है। यह मामला साल 2003 का है। उन पर 10 लोगों को अपनी टीम का मेंबर बनाकर अवैध तरीके से अमेरिका ले जाने का आरोप है। केस उनके भाई शमशेर सिंह पर दर्ज हुआ लेकिन बाद में दलेर को भी नामजद कर लिया गया। उन्हें 2018 में ट्रायल कोर्ट ने 2 साल कैद की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ वह पटियाला की सेशन कोर्ट चले गए। कोर्ट ने उनकी सजा बरकरार रखी।

यति नरसिंहानंद ने महात्मा गांधी को लेकर की बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी

कहा-'एक करोड़ हिंदुओं की हत्या करवाई', केस दर्ज

नई दिल्ली, 16 जुलाई 2022। विवादित बयानों को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहने वाले श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद ने अब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की है. यति नरसिंहानंद ने महात्मा गांधी को हजारों हिंदुओं का कातिल बता डाला और कई अपशब्द कहे. वीडियो वायरल होने के बाद गाजियाबाद के मसूरी थाने में पुलिस ने यति के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है.

बता दें कि यति नरसिंहानंद पहले भी अपने भड़काऊ और आपत्तिजनक बयानबाजी को लेकर सुर्खियों में रहे हैं. हाल ही में जेल भी जा चुके हैं. सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो पर संज्ञान लेते हुए मसूरी पुलिस ने यति नरसिंहानंद के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने का केस दर्ज किया है.

वायरल वीडियो में डासना देवी मंदिर के महंत और श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि ने राष्ट्र पिता महात्मा गांधी पर टिप्पणी की है. वीडियो में उन्होंने ने असम्मानजक संबोधन करते हुए महात्मा गांधी को हजारों हिंदुओं का कातिल बताया है.

यति नरसिंहानंद ने वीडियो में कहा है कि वह पूरे भारत में अभियान चलाने वाले हैं. महात्मा गांधी की वजह से सौ करोड़ हिंदुओं के पास आज एक इंच जमीन भी अपनी नहीं है और उन्हीं की वजह से आज भी हमारे संत, महात्मा जेल जा रहे हैं. मसूरी थाने में तैनात उपनिरीक्षक डॉ. रामसेवक ने दर्ज कराई रिपोर्ट में अन्य आपत्तिजनक टिप्पणी में महात्मा गांधी के चरित्र पर भी सवाल उठाए हैं. साथ ही उन्हें अंग्रेजों व दूसरे समुदाय का दलाल बताया है. यति नरसिंहानंद गिरी के इस बयान से समाज में शांति और कानून व्यवस्था भंग होने की संभावना जताते हुए उप निरीक्षक ने केस दर्ज कराने के लिए लिखित शिकायत दी।

रेप केसः पूर्व विधायक ने किया सरेंडर

नई दिल्ली, 16 जुलाई 2022। बिहार में विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के पूर्व विधायक अरुण यादव रेप कांड में फरार चल रहे थे. आरजेडी के पूर्व विधायक अरुण यादव ने आरा कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. आरा कोर्ट में सरेंडर करने के बाद अरुण यादव को पुलिस ने जेल भेज दिया है. रेप का ये मामला तीन साल पुराना है. पुलिस को काफी समय से अरुण यादव की तलाश थी. जानकारी के मुताबिक घटना जुलाई 2019 की है. बताया जाता है कि एक लड़की पटना के सेक्स रैकेट संचालको के चंगुल से किसी तरह भाग निकली थी. सेक्स रैकेट संचालकों के चंगुल से भागकर आरा आ गई थी. पीड़िता किसी तरह अपने घर पहुंची जिसके बाद पीड़िता के भाई ने आरा नगर थाने में शिकायत

दर्ज कराई थी. पीड़िता के भाई ने आरा नगर थाने में अनिता देवी और संजीत कुमार उर्फ छोटू के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया था. आरा नगर थाने की पुलिस ने संबंधित धाराओं के साथ ही पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तहकीकात शुरू की थी. पीड़िता के 164 के पहले बयान के आधार पर मनरेगा के इंजीनियर अमरेश कुमार और संजय कुमार उर्फ जीजा को आरोपी बनाया गया था.

पीड़िता के 164 के तहत दूसरे बयान में आरजेडी के पूर्व विधायक अरुण यादव का नाम भी आरोपी के तौर पर सामने आया था. पुलिस ने इस संबंध में 161 का बयान भी दर्ज किया था. इस घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. पुलिस अरुण यादव की तलाश में भी लगातार छापेमारी कर रही थी लेकिन हर बार विफहल रही.

आरजेडी के पूर्व विधायक अरुण यादव को पकड़ने के लिए पुलिस ने तमाम जतन किए. हर संभावित ठिकाने पर छापेमारी के साथ ही कुर्की की कार्रवाई भी पुलिस ने की, लेकिन नतीजा सिफर ही रहा. बिहार पुलिस के साथ कई महीने तक लुकाछिपी का खेल खेलने के बाद आरजेडी के पूर्व विधायक अरुण यादव ने अब आरा कोर्ट में सरेंडर कर दिया है।

विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से सचेत रहने के प्रति जागरूक करना समय की मांग

दुनिया भर में हो रहे गंभीर अपराधों पर रोक लगाने,पीड़ितों के अधिकार को बढ़ावा देने,न्याय को मजबूत करने, न्यायिक सेवाओं को रेखांकित करना ज़रूरी

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तरपर एक दो दशक से जिस तरह संगठित अपराधों की संख्यामें अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय व स्थानीय समूह की गतिविधियों में वृद्धि हुई है इसे गंभीरता से रेखांकित करना समय की मांग है। संगठित अपराधों को अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में देखें तो जांच एजेंसियों द्वारा आजकल अपराध की थ्योरी को अन्तर्राष्टीय एंगल से जांच करने की थ्योरी भी अपनाई जाती है जिस तरह से वर्तमान में सिद्धू मूसेवाला केस, रूस-यूक्रेन मानवीय अधिकार हनन अपराध चर्चा में आया था क्योंकि उसने घोषणा की थी कि वह यूक्रेन में रूस द्वारा किए गए संभावित युद्ध अपराध की जांच शुरू करेगा, युद्ध अपराध के लिए विशिष्ट अन्तर्राष्टीय मानक मौजूद हैं, सहित अनेक केसों की तारें विदेशों तक जुड़ी हुई है। एक आपराधिक संगठन को हम गिरोह, माफिया, भीड़, सिंडीकेट, अंडरवर्ल्ड या गैंग्लैंड भी कहा जा सकता है, जिसमें अनेक अपराध जैसे सफेदपोश अपराध, वित्तीय अपराध, राजनीतिक अपराध, युद्ध के अपराध सहित अनेक परिभाषित अपराधों को शामिल किया जा सकताहै जोअंतरराष्ट्रीय कनेक्टेड होते हैं इसीलिए आज हम ऐसे अपराधों और न्याय पर चर्चा करेंगे जो अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में आते हैं उनके पीड़ितों को न्याय दिलाने, दुनिया भर में हो रहे गंभीर अपराधों पर रोक लगाने विश्व को अंतर्राष्टीय अपराधों से सचेत रहने के प्रति जागरूक करने के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2022 के उपलक्ष में इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम पारंपरिक और वर्तमान युग की करें तो, आज के लोकतांत्रिक युग में पारंपरिक अर्थ में राजा नहीं रहे । उनका स्थान शासकवर्ग नें ले लिया है ।एक से अधिक व्यक्तियों का समूह राजा का स्थान ले चुका है । सिद्धांततः राजा के अधिकार उन्हें मिल चुके हैं, और राजा के कर्तव्यों का निर्वाह भी उन्हीं के जिम्मे है । अधिकारों के मामले में तो वे काफी आगे हैं,किंतु दायित्वों के क्षेत्र में उनका कार्य चिंताजनक है । उन्होंने दण्ड की प्रक्रिया को पेचीदा, समयासाध्य, अपराधी के प्रति नरमी वाला बना डाला है, इसलिए दिन प्रतिदिन अपराध बढ़ रहे हैं।

सर्वो दण्डजितो लोको दुर्लभो हि शुचिर्नरः
दण्डस्य हि भयात्सर्वं जगद्भोगाय कल्पते ॥22॥
(सर्वः दण्डजितः लोकः दुर्लभः हि शुचिः नरः दण्डस्य हि भयात् सर्वम् जगद् भोगाय कल्पते ।)

भावार्थः यह संसार दण्ड के द्वारा ही जीते जाने योग्य है, अर्थात् दण्ड के द्वारा ही इसे नियंत्रण में रखा जा सकता है । ऐसा व्यक्ति दुर्लभ है जो स्वभाव से ही साफ सुथरा एवं सच्चरित्र हो, न कि दण्ड के भय से । दण्ड के भय से ही वह व्यवस्था बन पाती है जिसमें लोग अपनी संपदा का भोग कर पाते हैं।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्टीय न्यायालय के ढांचे की करें तो, संयुक्त राष्ट से संबंधित अंतर्राष्टीय न्यायालय का मुख्यालय द हेग में है।इस न्यायालय में 6 भाषाओं (अंग्रेजी, फ्रेंच, रसियन, स्पेनिश, अरेबिक, चाइनीज) में सुनवाई होती है, लेकिन काम अंग्रेजी और फ्रेंच में ही होता है। इसके सदस्य देशों की संख्या 123 है। 17 जुलाई 1998 को इसकी स्थापना हुई थी, इसने 1 जुलाई 2002 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया।

साथियों बात अगर हम न्यायालय की ज़रूरत की करें तो अपराध की दुनिया पर लगाम लगाने के लिए न्यायालय की जरूरत पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व में न्याय दिलाने के लिए अंतर्राष्टीय न्यायालय की स्थापना हुई थी।

प्रतिवर्ष आज ही के दिन 17 जुलाई को अंतर्राष्टीय न्याय दिवस मनाया जाता है। इसे आमतौर पर अंतर्राष्टीय अपराध न्याय दिवस भी कहा जाता है। इसी दिन अंतर्राष्टीय अपराध न्यायालय की स्थापना हुई थी। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व को अंतर्राष्टीय अपराधों के प्रति जागरूक करना है।

साथियों बात अगरहमअंतरराष्टीय अपराध न्यायालय के क्रियाकल्प की करें तो, अंतरराष्टीय अपराध न्यायालय एक स्थाई और स्वतंत्र अंतर्राष्टीय न्यायिकऑर्गेनाइजेशन है, जो अंतरराष्टीय मानवीय और मानव अधिकारों के सबसे गंभीर उल्लंघन के आरोपियों को दंडित करने में सक्षम है। जिसमें नरसंहार का अपराध, अपराधों का युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराध शामिल है। अंतरराष्टीय अपराधिक न्यायालय स्थापना तब हुई जब, राज्यों ने रोम में एक कानून को अपनाया इस की प्रतिमा को अंतरराष्टीय अपराधिक न्यायालय के संविधि के रूप में जाना जाता है। आईसीसी राष्टीय अदालतों की जगह नहीं लेता है। लेकिन यह तब उपलब्ध होता है जब कोई देश जांच करने मेंसक्षम नहीं होता और अपराधियों पर यह मुकदमा चला सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्टीय न्याय दिवस मनाने के उद्देश्यों की करें तो, यह दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि न्याय का समर्थन करने वाले और पीड़ितों के अधिकार को बढ़ावा देने के लिए लोगों के बीच जागरूकता और एकजुट करना बहुत आवश्यक है। यह दुनिया भर के लोगों को महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दों पर ध्यान देने के लिए आकर्षित करता है। यह लोगों को कई अपराधों से भी बचाता है और उन लोगों को यह चेतावनी देता है कि जो राष्ट की शांति सुरक्षा और भलाई को खतरे में डालते हैं,उनके ऊपर अंतरराष्टीय न्याय काम करता है। इसलिए अंतरराष्टीय दिवस हर साल 17 जुलाई को अंतरराष्टीय अपराधिक न्यायालय के महत्व को बताने और दुनिया भर में हो रहे गंभीर अपराधों को रोक लगाने एव ध्यान देने के लिए मनाया जाता है।

साथियों बातअगर हमअंतरराष्टीय न्यायालय को अंतिम उपाय मानने की करें तो, अंतिम उपाय की अदालत के रूप में सेवा करने के इरादे से, आईसीसी मौजूदा राष्टीय न्यायिक प्रणालियों का पूरक है और अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग तभी कर सकता है जब राष्टीय अदालतें अनिच्छुक हों या अपराधियों पर मुकदमा चलाने में असमर्थ हों। इसमें सार्वभौमिक क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र का अभाव है और यह केवल सदस्य राज्यों के भीतर किए गए अपराधों, सदस्य राज्यों के नागरिकों द्वारा किए गए अपराधों, या संयुक्त राष्ट सुरक्षा परिषद द्वारा न्यायालय को संदर्भित स्थितियों में अपराधों की जांच और मुकदमा चला सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर उसकाविश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अंतर्राष्टीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2022 पर यह विशेष है। सर्वो दण्डजितो लोको दुर्लभो हि शुचिर्नरःदण्डस्य हि भयात्सर्वं जगद्भोगाय कल्पते विश्व को अंतरराष्टीय अपराध के प्रति जागरूक करना समय की मांग दुनिया भर में हो रहे गंभीर अपराधों पर रोक लगाने पीड़ितों के अधिकार को बढ़ावा देने न्याय को मजबूत करने न्यायिक सेवाओं को रेखांकित करना ज़रूरी है।

संपादकीय

कांग्रेस में भाजपा मॉडल की मांग

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का चुनाव होगा या टलेगा इसका अंदाजा किसी को नहीं है। अगस्त या सितंबर में नए अध्यक्ष का चुनाव होना है। लेकिन अभी तक कोई तैयारी नहीं दिख रही है। दूसरी ओर अक्टूबर में होने वाली भारत जोड़ो यात्रा के लिए बैठकें हो रही हैं। इससे ऐसा लग रहा है कि पार्टी साल के अंत में होने वाले दो राज्यों के विधानसभा चुनाव और भारत जोड़ो यात्रा के बहाने अध्यक्ष का चुनाव टाल भी सकती है। वैसे भी जब राहुल गांधी अध्यक्ष बनने को तैयार नहीं हो रहे हैं तो कांग्रेस के पास कोई चारा नहीं है कि वह चुनाव टाले रहे और सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष बनी रहें।

जब से इस बात की चर्चा तेज हुई है कि राहुल अध्यक्ष नहीं बनना चाहते हैं तब से कांग्रेस के नेता भाजपा मॉडल की बात कर रहे हैं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने अनौपचारिक बातचीत में एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि कांग्रेस को एक जेपी नड्डा की जरूरत है। इसका मतलब है कि कांग्रेस को संगठन के लिए भाजपा का मॉडल अपनाने की जरूरत है। वह मॉडल है आंतरिक लोकतंत्र के दिखावे का। जैसे अभी जेपी नड्डा पार्टी के राष्टीय अध्यक्ष हैं लेकिन सारे फैसले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सलाह से ही किए जाते हैं।

ऐसे ही मोदी और शाह से पहले करीब साढ़े तीन दशक तक अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के हिसाब से भाजपा चली। अध्यक्ष के तौर पर नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह के दूसरे कार्यकाल को छोड़ दें तो चाहे जो भी अध्यक्ष रहा हो उसने वाजपेयी-आडवाणी के निर्देश पर काम किया। वाजपेयी, आडवाणी, गडकरी और राजनाथ के अलावा कुशाभाऊ ठाकरे, वेंकैया नायडू, जना कृष्णमूर्ति और बंगारू लक्ष्मण पार्टी के अध्यक्ष रहे थे। ये लोग ऐसे समय में अध्यक्ष रहे जब भाजपा में वाजपेयी-आडवाणी का काल था। सारे फैसले उन्हीं दोनों नेताओं के हिसाब से किए जाते थे। सो, कांग्रेस के कई नेता इस बात की वकालत कर रहे हैं कि पार्टी किसी ऐसे नेता को अध्यक्ष बना दे, जो 24 घंटे राजनीति करे और राहुल और प्रियंका के हिसाब से काम करे।

कांग्रेस के एक नेता का यह भी कहना है कि राहुल और प्रियंका दोनों की 24 घंटे राजनीति करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। राहुल गांधी अब भी विदेश में हैं। पिछले दो-तीन महीने में यह तीसरा मौका है, जब वे विदेश गए हैं। इस समय संसद सत्र की तैयारियां चल रही हैं और भारत जोड़ो यात्रा की भी मीटिंग थी, लेकिन राहुल नदारद हैं। इसी तरह प्रियंका गांधी भी पिछले दिनों विदेश गई थीं और वे भी बार बार विदेश जाती रहती हैं। सो, कांग्रेस को ऐसे अध्यक्ष की जरूरत है, जो 24 घंटे राजनीति करे। देश भर के नेताओं से मिले, राज्यों का दौरा करे और मीडिया से रूबरू होता रहे और फैसले सारे राहुल व प्रियंका के हिसाब से करे।

मेनोपॉज समस्या नहीं

आजकल नीलम के बर्ताव से घरवाले परेशान रहते है, कोई समझ नहीं पा रहा था नीलम की उलझन, ना नीलम समझा पा रही थी की उसे क्या हो रहा है। 46 साल की नीलम वैसे तो खुश मिज़ाज और हल्के-फुल्के ख़याल वाली है। पर अचानक से कभी रोने लगती है, कभी बिना कोई बात के चिढ़ जाती है, कभी डर जाती है और धीरे-धीरे डिप्रेशन की शिकार होती जा रही थी। ऐसी तो ना थी नीलम पर अब हर महीने आने वाले पिरीयडस 5 दिन के बदले 15 दिनों तक चलते है। कभी फ़्लौ बढ़ जाता है तो शरीर में कमजोरी और मन में अनगिनत बदलाव आने लगते है।

नीलम जानती है ये मेनोपॉज़ के लक्षण है। नीलम मन ही मन घबराती है मेनोपॉज़ के बाद महिला जनन शक्ति या गर्भ धारण की क्षमता को खो देती है, क्योंकि ओवरी में इस्ट्रोजेन हॉर्मोन का उत्पादन कम हो जाता है जिसके कारण उनमें बहुत सारे शारीरिक और मनोवैज्ञानिक बदलाव आते है, पर घर वालों को कैसे समझाए ?

खून में असंतुलन के कारण गर्मी लगती है, दिल तेज़ धड़कता है, रात में पसीना आता है, नींद नहीं आती है, सवेरे नींद जल्दी टूट जाती हैं, जनन पथ में बदलाव (जेनेटल चेंज) के कारण जननांग में सिकुड़न, सूखापन, खून बहना, पानी गिरना, सेक्स करने में दर्द या न करने की इच्छा आदि।

नीलम को लगता है वो अपनी जवानी खो रही है और बुढ़ापे की ओर बढ़ रही है वो मानसिक रोगी होती जा रही है। हॉर्मोन्स बदलाव के कारण नीलम की हड्डी में भी बदलाव आया है हड्डीयाँ कमज़ोर तहो गई है, जिसके कारण जोड़ों, पीठ और मांसपेशियों में दर्द का अनुभव होता है।

हॉर्मोन्स में बदलाव के कारण त्वचा रूखी हो गई है, शारीरिक बदलाव के अलावा मानसिक बदलाव भी हुआ है, जैसे थकान, चिड़ाचिड़ापन, उदासी, कुछ भी न करने की इच्छा, याद न रहना, खोये रहना, हर छोटी बात का भय लगना और उपर से ना पति उसे समझ पाता है न बच्चे। सबको नीलम का बर्ताव अजीब लगता है, सब अपने हिसाब से सलाह सूचना देते रहते है पर किसीके पास नीलम की परिस्थिति का समाधान नहीं।

नीलम खुद को अकेला महसूस करती है पति अपने काम में मशरूफ है, बच्चे अपनी ज़िंदिगी में। दरअसल मेनोपॉज़ स्त्री के जीवन का एक बहुत ही नाजुक समयकाल होता है सबसे पहले पति का साथ, घरवालों की परवाह और अच्छे डॉक्टर से परामर्श से 50 त्न समस्या हल हो सकता है।

मेनोपॉज़ के दरम्यान स्त्री का मूड़ बदलता रहता है उसे घरवालों के साथ और सहकार की आवश्यकता होती है। जो स्त्री स्वयं को भूलकर घर परिवार को अपना सबकुछ देती है वो इतनी तो हकदार होती है की उसकी इस नाजुक परिस्थिति में उसे घरवालों की परवाह मिले प्यार मिले। हर स्त्री की ये एक ऐसी शारिरीक अवस्था है जिसमें अगर कमज़ोर मन की कोई स्त्री हो और उस पर ध्यान दिया ना जाए तो पागलपन के दौरे भी पड़ सकते है, और मनोचिकित्सक की जरुरत भी पड़ सकती है।

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर, कर्नाटक

स्वयं के जीवन के निर्णय स्वयं से लीजिए!

डॉ. माध्वी बोरसे!
रावतभाटा राजस्थान!

हम सभी को आम तौर पर माता-पिता, शिक्षकों, मालिकों और अन्य से स्वीकृति लेने को कहा जाता है! कभी-कभी उनकी स्वीकृति प्राप्त करना सामान्य और स्वस्थ होता है, लेकिन हर समय दूसरों से स्वीकृति प्राप्त करना हमको दुखी और असुरक्षित बना सकता है। हमें दूसरों से अत्यधिक अनुमोदन प्राप्त करना बंद करना चाहिए और हम कौन हैं और हमको इस दुनिया में क्या लाना है, इसकी सराहना करना शुरू करना पूरी तरह से संभव है। एक बार जब हम यह सीख लेंगे कि दूसरों से अनुमोदन प्राप्त करना कैसे बंद किया जाए, तो हम अधिक आत्मविश्वास महसूस करेंगे और हमको केवल स्वयं से ही सत्यापन की आवश्यकता होगी।

1. आत्म-मूल्य की भावना विकसित करते हैं!

हमें दूसरों को खुश करने की अपनी आवश्यकता के बारे में जागरूक रहना होगा और बहुत आसानी से देने से बचना होगा । दूसरों को खुश करना हमारे जिंदगी का एकमात्र उद्देश्य नहीं होना चाहिए। तनाव के इस लगातार स्रोत से खुद को विराम देते हैं और कभी-कभी जाने देते हैं !

हमें अपने गुणों का पता लगाना चाहिए और उन्हें अपने कार्यों के साथ ध्यान में रखना चाहिए । जो कुछ भी हम व्यक्तिगत रूप से मानते हैं वह हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करें । हमें किसी व्यक्ति से बात करके अपना निर्णय शीघ्रता से नहीं बदलना चाहिए और अपनी विश्वास प्रणाली को भी नहीं बदलना चाहिए, क्योंकि इसका मतलब है कि हमने हमारे अंतर्ज्ञान को नहीं सुना। हमें अपने आप को व्यक्त करने से घबराना नहीं चाहिए । हम जो हैं वही रहेंगे और इससे शर्मिंदा नहीं होंगे । अपने आप को सुनने या देखने की अनुमति न देकर एक ढोंग के पीछे न छुपते हैं और अपनी क्षमताओं को सीमित करेंगे ।

अगर हमें लगता है कि कोई हमें नापसंद करता है, तो उन विचारों की वैधता पर सवाल हमें उठाना चाहिए । यह सच नहीं हो सकता है। हो सकता है कि वह व्यक्ति केवल हमारे द्वारा की गई किसी बात से नाराज़ हुआ हो। दिमागीपन की रणनीति का उपयोग करके उन विचारों को दूर करना सबसे अच्छा है। वे अधिक नकारात्मक विचारों और भावनाओं को जन्म दे सकते हैं।

2. हमें अधिक चीजें स्वतंत्र रूप से करनी होगी!

सार्वजनिक वातावरण में अकेले रहने की आदत डालने के लिए अकेले और अधिक स्थानों पर हमें जाना चाहिए । आसपास के अन्य लोगों के बिना, कम यह समझ सकते हैं कि हम क्या करना चाहते हैं, इसके विपरीत जो दूसरे हमसे कराना चाहते हैं। ऐसा करने से पहले दूसरे क्या सोचेंगे इस बारे में सोचने से बचना चाहिए। अपने लिए सोचने की कोशिश करनी चाहिए और अपने कार्यों को अंजाम देने के लिए अपनी भावनाओं और विचार प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा । खुद के निर्णय में आत्मविश्वास रखने की कोशिश करते है ।

3. अपने अच्छे गुणों पर ध्यान देंगे!

हमें उन चीजों की एक सूची बनानी होगी जो हमको अपने बारे में पसंद हैं और उन पर ध्यान केंद्रित कर सके । यह सूची हमें स्पष्ट प्रेरक प्रदान कर सकती है कि हम एक व्यक्ति के रूप में पूरी तरह से सक्षम क्यों हैं। हमें ध्यान रखना होगा कि हमारे अच्छे गुण मौजूद हैं और प्रचुर मात्रा में हैं। हमें हमारे बारे में नकारात्मक बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए । पृथ्वी पर हर किसी में नकारात्मक गुण होते हैं, उन पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करने से हम बहुत दूर नहीं जाएंगे। यदि हम सुधार करना चाहते हैं, तो कुछ लक्ष्य निर्धारित करने होंगे, लेकिन बुरा महसूस न करेंगे या हम जैसे हैं उतने अच्छे नहीं हैं। हमें यह समझना होगा कि असफलता अंत नहीं है - हम हमेशा कुछ करने में बेहतर हो सकते हैं। सफलता आसानी से नहीं मिलती, इसके लिए कई बार प्रयास करने पड़ते हैं और आमतौर पर कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। हमें असफलता पर ज्यादा निराश नहीं होना चाहिए ।

4. स्वयं के प्रति ईमानदार रहते हैं!

हम अपने लिए अवास्तविक अपेक्षाएं न रखें। यद्यपि हमको अच्छे गुणों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, इसका मतलब यह नहीं है कि हम कभी भी पूर्ण होने जा रहे हैं। निर्दोष होना कोई ऐसी चीज नहीं है जिसके साथ लोग पैदा होते हैं - इसे पहचानें और इसे अपने दैनिक विचारों में शामिल करने का प्रयास करते हैं । सब बेहतर महसूस करने के लिए खुद से झूठ न बोलें। खुद से झूठ बोलना बदलाव लाने के सबसे बुरे तरीकों में से एक है। अपने व्यवहार और विचारों को समझना और पहचानना उनमें से कुछ को बदलने का पहला कदम है। किसी भी मामले पर किसी और की राय मांगने के बजाय चीजों को परिप्रेक्ष्य में रखें!

5. सर्वप्रथम स्वयं को रखते हैं!

लोगों को हमेशा हां न कहें, उनके साथ ईमानदार रहें। अगर हम कुछ नहीं करना चाहते हैं, तो हमें बोल देना चाहिए! लोग समझेंगे और सामने आएंगे यदि वे वास्तव में हमारी परवाह करते हैं। ऐसा चुनाव करने में कुछ भी गलत नहीं है जिसकी किसी को उम्मीद न हो। अपने अधिकांश कार्यों पर ध्यान केंद्रित करेंगे कि वे भविष्य में हमें कैसे लाभान्वित करेंगे। कभी-कभी इस बात में बहुत अधिक फंस जाना कि चीजें दूसरे लोगों को कैसे प्रभावित करेंगी, और हमारे जीवन में समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। दूसरों के मुद्दों के बारे में चिंता करने से पहले हमें कभी-कभी खुद को पहले रखना होगा, और हमारे जीवन पर नियंत्रण रखना होगा। बेशक दूसरे लोगों के मुद्दों को नज़रअंदाज़ न करते हैं, बल्कि पहले अपने ऊपर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करना हमें जरूरी है। दूसरे लोग लगातार क्या कर रहे हैं, इस बारे में सोचने में हमें नहीं उलझना चाहिए । इसके अनुरूप बने रहने का एक अच्छा तरीका थोड़ा व्यस्त होना है। खाली समय उन चीजों को करने में गीत आना चाहिए जिन्हें हम पसंद करते हैं, या उत्पादक चीजें करते हैं। जब हम अपना जीवन जीने में इतने व्यस्त होते हैं तो अन्य लोगों के जीवन का अधिक विश्लेषण करना कठिन होता है।

6. अपने जुनून पर ध्यान देना होगा ।

अपनी कुछ अलग रुचियों या शौकों के बारे में सोचते हैं और अपने खाली समय का प्रबंधन करने के लिए उन पर काम करना शुरू करते हैं । जब हमारा कैलेंडर उन चीजों से भरा होता है, जिनका हम इंतजार कर रहे होते हैं, तो बहुत कम सोचना पड़ता है।

7. हम अकेले अपने समय का आनंद लें, और इसे पोषित करने के लिए कुछ बनाएं।

हम ऐसा ना सोचे कि अकेले समय व्यर्थ है। उस समय का उपयोग आराम करने और शांत होने के लिए हमें करना चाहिए । यह हमें कुछ करने में मदद करेगा और हमें अपने निजी हितों के साथ अधिक तालमेल बिठाएगा। एक लंबे समय से खोए हुए शौक या जुनून को उठाकर और उसमें वापस लाते हैं । सबसे अच्छी भावनाओं में से एक है किसी खोई हुई चीज़ से संबंध फिर से प्राप्त करना और इसे एक बार फिर से करने में एक नया आनंद प्राप्त करना।

8. हम अपनी प्रगति पर नज़र रखें।

हमारी प्रगति कैसी चल रही है, इस बारे में लिखना शुरू करते हैं । हम उन समयों को लिख सकते हैं जब हमने स्वयं समस्याओं का समाधान निकाला, हम अकेले कठिन परिस्थिति से कैसे निपटें या उस समय को लिख सकते हैं जब हम वास्तव में किसी और से सत्यापन चाहते थे। इस तरह, हम देखेंगे कि किस प्रकार की स्थितियों के कारण हम उस मान्यता को चाहते हैं, और किन स्थितियों में हम सुधार कर सकते हैं । हमें यह भी याद रखना होगा इसे बदलना मुश्किल है, लेकिन यह संभव है। मानसिकता या जीवन के तरीके को बदलना हमेशा एक चुनौती होती है, लेकिन यह जान लें कि हम इस अवस्था से गुजर सकते हैं, और एक और चुनौती हमारा इंतजार कर रही है।

उन चीज़ों पर नज़र रखना जारी रखते हैं जिन्हें हम बदल रहे हैं और हम उन्हें कैसे बदल रहे हैं। यह करना बहुत अच्छा है, इस तरह हम समझ सकते हैं कि आपके लिए व्यक्तिगत रूप से क्या काम करता है और यह क्यों करता है। उन तरीकों का इस्तेमाल जारी रखने से भविष्य में काफी मदद मिलने वाली है।

9. हम दूसरों से अपनी तुलना करना बंद करें।

जब हम अपनी तुलना दूसरों से करते हैं, तो यह कुछ भी उत्पादक नहीं करेगा । हर कोई अविश्वसनीय रूप से अद्वितीय है और इसकी अपनी क्षमताएं हैं। कोई और किसी चीज़ में बहुत अच्छा हो सकता है जो हम नहीं हैं, लेकिन हम किसी अन्य चीज़ में बहुत अच्छे हो सकते हैं जो वे नहीं कर सकते। हम इस बात पर ध्यान केंद्रित न करें कि कुछ मायनों में लोग बेहतर क्यों हैं, बल्कि इस बारे में सोचें कि हम क्या महसूस करना चाहते हैं और वहां कैसे पहुंचें। फिर, सबसे महत्वपूर्ण बात हमारी अपनी सफलता और भावनात्मक स्थिरता है, जो हमारे पास पहले से है उसके लिए आभारी रहकर और जो हमारे पास नहीं है उस पर अपनी सारी ऊर्जा केंद्रित न करें।

10. हम अपने लिए लक्ष्य निर्धारित करें।

दूसरों को खुश करने के लिए सिर्फ ना जिए, बल्कि खुद को खुश करने के लिए जिएं। फिर भी अन्य लोगों के दृष्टिकोण पर विचार करें, लेकिन पूरी तरह से उन पर ध्यान केंद्रित न करें। हम अपने प्राप्य लक्ष्यों की एक सूची बनाएं और सुनिश्चित करें कि वे चीजें हैं जो हम करना चाहते हैं। लक्ष्य निर्धारित करना महत्वपूर्ण है इसलिए हम विशेष रूप से जानते हैं कि हम यह परिवर्तन कैसे करने जा रहे हैं और क्यों। इन लक्ष्यों को पूरा करने का प्रयास करते हैं, क्योंकि ऐसा करने से खुशी मिल सकती है। हम यह कारण जाने, ऐसा इसलिए होना चाहिए क्योंकि हम अपने भीतर इस बदलाव की गहरी इच्छा रखते हैं।

11. हम अपने लिए भी जीना शुरू करें।

कभी-कभी थोड़ा स्वार्थी होना ठीक है। आखिर यह हमारी जिंदगी है। हम जो हैं वही रहें और उस पर गर्व करें, ऐसा करने में कुछ भी गलत नहीं है। नई चीजें आजमाएं जो हम हमेशा से करना चाहते थे। आगे देखने के लिए हम अपने आप को कुछ चीजें दें और अधिक मजेदार चीजें करने की योजना बनाएं! हम अपने आस-पास के अन्य लोगों पर बहुत अधिक भरोसा न करें। लोग जानकारी और आराम का एक बड़ा स्रोत हैं, लेकिन उन पर बहुत अधिक भरोसा करना हमको थका देने वाला हो सकता है और हमको ऐसा महसूस करा सकता है कि हम स्वयं कुछ भी ठीक से नहीं कर सकते।

स्वयं पर करें पूर्ण प्रयास,
खरे उतरने का रखे साहस,
स्वयं की स्वीकृति से करें कार्य,
स्वयं पर रखे संपूर्ण विश्वास!!

दुनिया में आए हो तो,दूजों के लिए कुछ करके जाओं

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर, महाराष्ट्र

दुनिया में आए हो तो दूजों के लिए कुछ करके जाओ , अंगदान है सबसे बेहतर किसी को नया जीवन दिलाओ । जी हां आज फिर मन विचलित हो उठा अपने ही शहर के एक पैसे मांगने वाले को देख कर जो की आंखों से देख नहीं सकता था परंतु उसकी स्पर्श शक्ति इतनी अच्छी थी कि वह भाग गया कि उसे मैंने कितने का सिक्का दिया है , अपनी आंखों से यह देख कर हैरान रह गई और बेचैन हो गई इस वाक्ये को शब्दों में सजाकर लिखने के लिए , मन में एक कल्पना मात्र की यदि मैं नहीं देख पाती तो इतनी सुंदर रंगीन दुनिया में कैसे देख सकती थी कैसे मैं अपने हंसते खेलते खिलखिलाते परिवार को देख सकती थी आदि विभिन्न प्रकार के प्रश्नों ने मुझे मेरे मन को झकझोर कर रख दिया । मात्र कल्पना से ही जब मेरा मन इतना झकझोर गया तो जो देख नहीं सकते उनकी जिंदगी कितनी मुश्किलों से भरी हुई होगी यही सोच कर लगा कि ऐसे देश में न जाने कितने लोग होंगे जो किसी न किसी कारण से अपनी आंखों से देखने का सुख नहीं उठा पाते हैं ऐसे लोगों के लिए क्या किया जाए यही प्रश्न मन में उठा तब सोचा मैं तो कुछ नहीं कर सकती परंतु जागरूकता लाने के लिए अपनी कलम का उपयोग कर के किसी को तो समझा सकती हूं यदि मेरे लिखे लेख को पढ़ने के बाद दुनिया में अगर कोई भी एक या दो इंसान भी प्रेरणा पाते हुए अपने मरणा अवस्था के बाद नेत्रदान का संकल्प कर किसी को नया जीवन दान दे सकते हैं किसी के लिए उनके दाम में किए हुए नेत्र उनके जीवन में प्रकाश भर रंगीन दुनिया से मिला सकता है उनके हाथ में जो आज उनका सहारा लाठी है उस लाठी को हाथ से निकाल कर अपने कदमों पर खड़े होने के लिए प्रेरित कर सकता है । यहां मैं कल्पना मात्र से झकझोर उठी तो आप लोग भी जरा अपने ऊपर इंसानों को कल्पना मात्र में ही लाकर देखिए और सोचिए कैसी निरस , अंधकार से भरी हुई जिंदगी हमें और लाचार कर देती है साथ ही हमें दुनिया की नजर में एक बेचारा बनाते हुए किसी भी प्रकार अपने भरण-पोषण के लिए विवश कर देती है , यदि हमारे देश की करोड़ों जनता अपने नेत्रदान के लिए संकल्प उठाते हुए किसी अंधे का सहयोग करते हैं तो यह दान दुनिया का सबसे अनोखा दान होगा साथ ही हमारे देश में न जाने कितने लोग हैं जो विभिन्न प्रकार की बीमारियों से जूझ रहे हैं जिन्हें रहती है हमारे देश में ऐसे होते हैं अपना पूरा का पूरा शरीर ही मरण अवस्था के बाद दान में लिख देते हैं कितने महान है ऐसे लोग हैं जो इतनी अच्छी सोच रखते हैं यदि हम दुनिया में आए हैं और हमारे जाने के बाद भी हम लोगों के दिलों में धड़कन बन धड़कते हैं या किसी के नेत्र बंद इस दुनिया पर लुफ्त उठाते रहते हैं तो इससे ज्यादा खुशी की बात क्या होगी हमारे देश से आंखों या किसी भी प्रकार की शारीरिक कमी के कारण जो लोग रस्ते पर मजबूरी बस अपना गुजर बसर कैसे भी कर रहे हैं उनकी तादाद में भी कमी आएगी वह अपने पैरों पर खड़े हो पाएंगे और वह भी एक सम्मानित जिंदगी के साथ सम्मान पाते हुए सभी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे कितनी दुआओं से नवाजेंगे वो नेत्रदान करने वालों को जिनके कारण वो भी शान से जिंदगी जी रहे होंगे । हम सभी भग्वान नहीं , पर इस धरा पर भेजे उसी भग्वान के देवदूत बन किसी के लिए कुछ कर जाएं । नेत्रदान कर जाएं , आशा , नवजीवन , नव प्रकाश किसी के जीवन में भर जाएं , खुद के मरणा अवस्था के बाद भी खुद को दूजों में ही जिंदा पाएं । नेत्रदान कर जाएं ।

पता भी नहीं चलेगा

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक हरियाणा

देखते देखते जवानी से बुढ़ापा
आ जाएगा और पता भी नहीं चलेगा।
देखते ही देखते दो दिलों में प्रेम
पैदा हो जाएगा और पता भी नहीं चलेगा
देखते ही देखते तालुकात बदल
जाएंगे आपस में और आप किसी
को पता भी नहीं चलेगा।
देखते ही देखते मौसम बसंत से
पतझड़ हो जाएगा और आपको पता
भी नहीं चलेगा।
देखते ही देखते आपका भाग्य बद
से बेहतर हो जाएगा और आप को
कुछ पता भी नहीं चलेगा।
देखते ही देखते आपके इरादे बदल
जाएंगे और फिर भी
आपको पता भी नहीं चलेगा मेरे हजूर।

जीना सीखो

राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

अपने लिए न सही
दूसरों के लिए जीना सीखो।
गम से भरे चेहरों को
ज़रा खिलखिलाना सीखो।
मोहब्बत में तो
हर कोई मुस्कुराता है
दिल टूट जाने पर भी
ज़रा जीना सीखो।
अपनो ने दगा दे दिया तो
क्या हुआ ?
गैरों को अपना बनाकर
गले लगाना सीखो।
मिट्टी हुए जीवन के
संजोये हुए ख्वाब तो
क्या हुआ ?
उस मिट्टी को ही
अपने सीने से लगाकर
अपना बनाना सीखो।

नेकी के सपनों को मंजिल मिल ही जाती है.

संतोष सरल,
अंबिकापुर छत्तीसगढ़

मेरे अम्बिकापुर की ट्रेन
अब दिल्ली जाती है..

1.
काका लरंग देवेश्वर के
तप का यही फल है,
सरगुजा की भोली जनता का
प्रेम संबल है.
प्रतीक्षा की घड़ियां
भले ही लगे अंधकारमय,
सुबह की धूप में
सूरजमुखी खिल ही जाती है.
मेरे अम्बिकापुर की ट्रेन
अब दिल्ली जाती है.

2.
मोदी सरकार ने जनता में
हां विश्वास भरा है.
रेणुका अश्वनी का प्रयास
सौ प्रतिशत खरा है.
बरवाडीह,म्योरपुर का
लक्ष्य भी पाएंगे क्यूंकि,
निशाना सटीक हो तो
गोटी पिल ही जाती है.
मेरे अम्बिकापुर की ट्रेन
अब दिल्ली जाती है.

3.
बहुत मजाक बनता रहा
दिल्ली जाने वाली ट्रेन का,
कोई कहता इलाज कराओ
भाजपाईयों के ब्रेन का.
सजधज कर देखो
चली दिल्ली की दुल्हन आखिर,
संकल्पशक्ति के आगे
जुबां सिल ही जाती है.
मेरे अम्बिकापुर की ट्रेन
अब दिल्ली जाती है.
नेकी के सपनों को
मंजिल मिल ही जाती है..
मेरे अम्बिकापुर की ट्रेन
अब दिल्ली जाती है..

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

जबड़े के कैंसर से पीड़ित 5 मरीजों का हुआ सफल ऑपरेशन

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
मेडिकल कॉलेज अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा लगातार जटिल से जटिल ऑपरेशन किए जा रहे हैं। पिछले 2 सालों में 75 से ज्यादा जबड़े के कैंसर से पीड़ित मरीजों का ऑपरेशन किया जा चुका है। वहीं फिलहाल पिछले 15 दिनों के अंदर 5 ओरल कैंसर के मरीजों का सफल ऑपरेशन डेंटल विभाग के चिकित्सकों द्वारा किया गया। सभी ऑपरेशन मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ रमनेश मूर्ति व एमएस डा. लखन सिंह के निगरानी में हुई है। इनके द्वारा जटिल ऑपरेशन के लिए हर सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। डेंटल सर्जन डॉक्टर अभिषेक हरीश बताया कि सभी मरीज जबड़े के कैंसर से पीड़ित थे। ये सभी मरीजों में मुख कैंसर का कारण तंबाकू व गुटखा सेवन सामने आया है। उन्होंने बताया कि तंबाकू सेवन से कैंसर के चपेट में आने वाले मरीज बढ़ रहे हैं। अब हर सप्ताह दो से तीन ओरल कैंसर के ऐसे मरीज पहुंचते हैं, जिनका ऑपरेशन करना जरूरी होता है। ऐसे ऑपरेशन के लिए निजी अस्पतालों में डेढ़ से दो लाख रुपये लिए जाते हैं। वहीं मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पूरी तरह निःशुल्क ऑपरेशन होता है।

इन कैंसर पीड़ित मरीजों का हुआ सफल ऑपरेशन

सूरजपुर जिला निवासी राकेश सोनवानी पिछले काफी दिनों से तंबाकू का सेवन करता था। इस कारण जबड़े के कैंसर से पीड़ित हो गया था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डेंटल चिकित्सक डॉ अभिषेक हरीश ने उसकी जबड़े के अवशेष काटकर जांच कराया तो पता चला कि मरीज कैंसर से पीड़ित है। कैंसर और ज्यादा न फैल जाए इसलिए उसे तत्काल ऑपरेशन कर संक्रमित जबड़े को काटकर निकाला गया। इसी तरह उधारी निवासी बुधिया कारकेट्टा, दरिमा नवानगर निवासी 21 वर्षीय लक्ष्मन्त्रि, प्रतापपुर निवासी रामप्रताप का भी जबड़े का कैंसर का सफल ऑपरेशन कर जान बचाई गई है।

जीभ के कैंसर से थी परेशान

डॉक्टर अभिषेक हरीश ने बताया कि सूरजपुर निवासी कुसुम साहू उम्र 38 वर्ष पिछले कई महीनों से जीभ के कैंसर से पीड़ित थी। वह जब इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंची तो उसका अवशेष जांच कराया गया जिसमें कैंसर पाया गया था। उसे भी ऑपरेशन कर प्रभावित अवशेषों को निकाला गया।
मेडिकल कॉलेज में कैंसर पीड़ित मरीजों की हो रही जांच
डॉ अभिषेक हरीश ने बताया कि कैंसर जांच के लिए पहले सैंपल बाहर भेज जाता था पर अब मेडिकल कॉलेज के पैथोलैब में कैंसर की भी जांच हो रही है। पैथोलैब के एचओडी डॉक्टर आर्या द्वारा कैंसर के सौंपल की जांच की जा रही है। इन सभी मरीजों का जांच अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में ही कराई गई है।

ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकों का टीम

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ रमेश मूर्ति अस्पताल के एमएस लखन सिंह के पहल पर 15 दिनों के अंदर पांच जबड़े के कैंसर से पीड़ित मरीजों का ऑपरेशन किया गया है। ऑपरेशन टीम में मुख्य रूप से डेंटल विभाग के एचओडी डॉ ऐश्वर्या सिंह, डेंटल सर्जन अभिषेक हरीश की मुख्य भूमिका रही।

पुलिस ने अभियान की ताबड़तोड़ कार्रवाई,3 बाइक चोर गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के पास से जब्त किए 5 दो पहिया वाहन

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
बाइक चोरी के मामले में सरगुजा पुलिस द्वारा अभियान चलाकर ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। शनिवार को चोरी की 5 बाइक के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं एक दिन पूर्व एक नाबालिग बाइक चोर व एक युवक को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने इनके पास से चोरी के 5 दो पहिया वाहन जब्त किए थे। वहीं आरोपी आदतन चोर हैं। जेल से छुटने के बाद पुनः चोरी की वारदात को

अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।
जानकारी के अनुसार शहर से लगातार बाइक चोरी की घटनाएं सामने आ रही है। इसे देखते हुए एसपी भावना गुप्ता ने थाना व चौकी प्रभारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बाइक चोरों को पकडने के लिए एसपी के निर्देश पर टीम भी गठित किया गया है। निर्देश के तहत टीम द्वारा बाइक चोरों की पता तलाश की जा रही थी। पुलिस टीम को मुखबिर से जानकारी मिली की पुराने आदतन नशे की आदि दो व्यक्ति चोरी की बाइक बेचने के लिए नया बस स्टैंड के पास घूम रहे हैं। सूचना पर टीम घेराबंदी कर हिरासत में

लेकर पूछताछ की तो दोनों आरोपियों ने लूट व बाइक चोरी की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी विकास प्रजापति उर्फ छोटू पिता चंदेश्वर प्रजापति उम्र 25 साल निवासी संजय पार्क अंबिकापुर व रामनारायण उर्फ टिंगु बहेलिया पिता देव प्रसाद बहेलिया उम्र 45 साल निवासी शंकरघाट सोनपुरकला, थाना अम्बिकापुर के कब्जे से चोरी की चार बाइक जब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। वहीं सीतापुर पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अनिल कुजूर निवासी बागबहार जिला जशपुर का रहने वाला है। पुलिस ने इसके कब्जे से चोरी की बुलेट जब्त की है। पुलिस ने इसके खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्यवाही टीम में शामिल कोतवाली टीआई भारद्वाज सिंह, प्रभारी मणीपुर एसआई सरफराज फिरदौसी, राम नरेश गुप्ता, प्रआर विपिन तिवारी, आरक्षक मो. इम्तियाज अली, अतुल शर्मा, मुकेश चौधरी, सुरेश गुप्ता, मकर ध्वज सिंह, चंचलेश सोनवानी, आरण दिनेश यादव, निर्मल, मोहन राम शामिल रहे।
विकास प्रजापति है आदतन आरोपी
पुलिस ने बताया कि विकास प्रजापति आदतन आरोपी है। वह चोरी के मामले में पूर्व में भी जेल जा चुका है। वह 19 जून को ग्राम परसा के पास एक व्यक्ति से मोबाइल भी लूटा था। जो गिरफ्तारी क बाद स्वीकार किया है।

टांगी से सिर पर हमला कर की थी ग्रामीण की हत्या,हुआ गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कर्रा में एक व्यक्ति की लाश मिली थी। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही थी। पीएम रिपोर्ट व चश्मदीद गवाहों के आधार पर हत्या की मामला सामने आई। पुलिस ने ग्राम पाटीपारा थाना दरिमा निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पुरानी रंजिश को लेकर टांगी से सिर में मार कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।
जानकारी के अनुसार 8 जुलाई को दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कर्रा में पाटीपारा निवासी कलीराम नगेसिया की लाश मिली थी। शरीर पर जख्म के निशान थे। सूचना पर दरिमा पुलिस मार्ग कायम कर मामले की जांच कर रही थी। पीएम रिपोर्ट व चश्मदीद गवाहों के आधार पर पता चला की मृतक का पाटीपारा थाना दरिमा निवासी शनिराम नगेसिया पिता स्व. पारसराम नगेसिया उम्र 30 का पुराना रंजिश था। पुलिस ने शनिराम को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो वह हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। शनिराम पुरानी रंजिश पर कलीराम के सिर पर टांग से हमला कर हत्या कर दी थी। घटना दिवस मृतक कर्रा की ओर घुमने गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।कार्रवाई में निरीक्षक अजू चेलक, सउनि राकेश मिश्रा, प्रआर दिलसाय कुजूर, प्रआर विशाल गुप्ता, सुरजीत कोरी, आरक्षक संजय केरकेट्टा, राज जायसवाल, दिनेश मिंज, विवेक राय, अभय चौबे, अखिलेश यादव, सुमीत टोप्पो शामिल रहे।

कोविड संक्रमण के खतरे से बचने स्कूली बच्चे लगवा रहे टीका

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
कोविड-19 संक्रमण के खतरे से बचने के लिए 12 से 14 वर्ष उम्र तक के स्कूली बच्चे स्कूल में लग रहे शिविर में टीका लगवा रहे है। स्कूल में टीकाकरण शिविर लगने से टीका लगवाने में सुविधा हो रही है। इससे जिन बच्चों में टीका लगवाने में झिझक है वे भी दूसरे बच्चे को टीका लगाते देख प्रेरित हो रहे है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार स्कूली बच्चों के टीकाकरण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्कूलां में जाकर पात्र बच्चों का

टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार टीम द्वारा पहले बच्चों का स्वास्थ्य जांच किया जाता है। सर्दी, खांसी या बुखार वाले बच्चों को टीका नहीं लगाया जाता। बच्चों को टीका लगने के बाद आधा घंटा तक बैठने कहा जाता है ।

वन्यप्राणी संरक्षण एवं संर्वधन पर क्षमता विकास का एक दिवसीय प्रशिक्षण तमोर पिंगला अभ्यारण्य में सम्पन्न

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
आज उपनिदेशक एलीफेंट रिजर्व सरगुजा अम्बिकापुर (छ0ग0) के तमोर- पिंगला अभ्यारण्य में श्री केनी मैचया वनसंरक्षक (वन्यप्राणी) एवं क्षेत्रीय संचालक (एलीफेंट रिजर्व) सरगुजा के मार्गदर्शन में तथा एलीफेंट रिजर्व सरगुजा के उपनिदेशक श्रीमती प्रभाकर खलखो के निर्देशन एवं उपस्थिति में वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के द्वारा अभ्यारण्य के मैदानी अमलों को एक दिवसीय वन्यप्राणी संरक्षण एवं संर्वधन पर क्षमता विकास का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें मुख्य रूप से डॉ0 एम.एल. नायक एवं डॉ0

आर. पी. मिश्रा के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया । उक्त प्रशिक्षण का आयोजन गेम रेंजर खोंड़ श्री प्रभू नारायण राम, गेम रेंजर तमोर श्री कमलेश राय तथा गेम रेंजर पिंगला श्री अजय कुमार सोनी के द्वारा किया गया । वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के द्वारा किट वितरणवाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के द्वारा तमोर पिंगला के 15 पेट्रोलिंग कैम्पस के लिए 15 वाटर फिल्टर (20 ली0), 15 सोलर लैम्पस, 06 सोलर पंखे एवं 46 पानी बाॅटल (थरमस) का वितरण उपनिदेशक श्रीमती प्रभाकर खलखो तथा वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख डॉ आर. पी. मिश्रा के द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम श्री अजय कुमार सोनी गेम रेंजर पिंगला के द्वारा कराया गया।

कलेक्टर की संवेदनशीलता से दिव्यांग भाई-बहनों का तत्काल बना सर्टिफिकेट

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
/ कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार की संवेदनशीलता व सक्रियता से दो दिव्यांग भाई बहनों का न केवल दिव्यांगता सर्टिफिकेट बना बल्कि आयुष्मान कार्ड भी तत्काल बन गया।
अम्बिकापुर जनपद के ग्राम भफौली निवासी श्री मनोज कुमार पैकरा पत्नी और आंखों से दिव्यांग 13 वर्ष की बेटी, 8 व 5 वर्ष के बेटे को साथ लेकर कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार से कलेक्ट्रेट में भेंट कर बच्चों की दिव्यांगता सर्टिफिकेट व आयुष्मान कार्ड नहीं बनने की समस्या बताई। इस पर कलेक्टर ने अम्बिकापुर के तहसीलदार श्री भूषण

मण्डावी को बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र व आयुष्मान कार्ड तत्काल बनवाकर देने के निर्देश दिये। कलेक्टर के निर्देश पर जिला अस्पताल प्रबंधन द्वारा बच्चों का परीक्षण किया गया 1 बच्चे का दिव्यांगता प्रमाण पत्र पहले से बन चुका था इसलिए दो बच्चों का प्रमाण पत्र बनाया गया। इसके साथ ही तीनों बच्चों का आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया। कार्ड बनने के बाद अस्पताल से घर जाने के लिए एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की गई।
तहसीलदार श्री मण्डावी ने बताया कि बच्चों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनधन योजना के तहत उनका बैंक खाता खोला जाएगा। एक बच्चे का आधार कार्ड नहीं बना है उसे भी बनवाया जाएगा।

बैगलेस डे में बच्चे पढाई के साथ सीख रहे जीने की कला

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले के स्कूलों में शनिवार को बैगलेस डे किया गया है। बैगलेस डे में बच्चे बिना बस्ते के स्कूल जा रहे है। इस दिन स्कूलों में योग, व्यायाम, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियां आदि से बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ जीवन जीने की कला भी सिखाई जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार 16 जुलाई को अम्बिकापूर जनपद के ग्राम खलीबा के प्राथमिक शाला के बच्चों ने योगाभ्यास व एरोबिक्स किया। कई बच्चों ने मिट्टी से भगवान गणेश की मूर्ति व शिवलिंग बनाई तो कई ने घर और स्कूल बनाये। बैगलेस डे की गतिविधियों से बच्चे खुश है। इस दिन खेल कूद प्रतियोगिता, ड्रॉइंग, पेंटिंग आदि में बच्चे मशगूल रहते है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने जिले में शिक्षा गुणवत्ता पर खास ध्यान देते हुए स्कूलों में पढ़ाई व अन्य सृजनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के निर्देश पर स्कूलों की लगातार मॉनिटरिंग हो रही है जिससे शिक्षक सतर्क व सक्रीय होकर अपना दायित्व निर्वहन कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्कूली बच्चे हर शनिवार को अब खेल-खेल में पढ़ाई कर रहे है। 'बैगलेस डे' के दिन स्कूलों में शनिवार को प्रार्थना के बाद अलग-अलग समय में योग, व्यायाम, खेल, एक दूसरे से सीखना तथा सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियां हो रही है।

कमिश्नर ने दिया स्वच्छता का संदेश

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
संभाग प्रमुख कमिश्नर श्री जीआर चुरेन्द्र ने शनिवार को कमिश्नर कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ श्रम दान कर परिसर की साफ-सफाई में हाथ बटाया। उन्होंने साफ-सफाई पर विशेष जोर देते हुए खुद सफाई पसंद बनने और दूसरों को प्रोत्साहित करने की बात कहीं। शनिवार को प्रातः करीब 7:30 बजे कमिश्नर एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी कार्यालय परिसर की सफाई में जुटे। बरसात शुरू होने से परिसर के बाहर बड़े-बड़े घास व झाड़ी उग आए थे जिसे उखाड़ कर एक स्थान पर रखा गया। इसी प्रकार कार्यालय परिसर में अंदर के हिस्से में भी

सफाई अभियान चलाया गया।
ज्ञातव्य है कि कमिश्नर श्री चुरेन्द्र साफ-सफाई पर विशेष जोर देते हुये कार्यालय व आसपास को स्वच्छ रखने अधिकारियों को निर्देशित करते है। कार्यालयों के निरीक्षण हो या बैठक उनके लिए साफ-सफाई एक जरूरी बिंदु अवश्य रहता है।

विशाल स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर 20 को

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखण्डों के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशाल स्वास्थ्य एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विभाग द्वारा 20 जुलाई 2022 को किया जाएगा। इस शिविर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच उपचार का लाभ के साथ इच्छुक व्यक्ति रक्तदान कर पुण्य के भागी बन सकते हैं। शिविर प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक होगी।
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीएस सिसोदिया ने शिविर स्थल पर रक्त दाताओं के लिए रिफ्रेशमेन्ट (फल, ग्लूकोज़ पानी आदि) मरीजों के लिए बेड आदि की समुचित व्यवस्था करने केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने चिकित्सकों व अन्य स्टाफ की ड्यूटी लगा दी है। सामुदायिक सवास्थ्य केंद्र दरिमा में चिकित्सा अधिकारी डॉ रुचिरा डॉ जनेश्वर सिंह, श्री अमित पांडेय, श्री शैलेन्द्र गुप्ता व स्टाफ नर्स कामना शर्मा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर में डॉ शारदा देवी भगत, डॉ प्रेम सुख केरकेट्टा, श्री अनिल सिंह तिर्की, श्रीमती कविता सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर में डॉ आशा राम जगत, डॉ दीपक, श्री सुनील कुमार कुजूर, श्री अशोक पुरकैत, श्रीमती निमिता कच्छप, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैनपाट में डॉ मिराज फातिमा, डॉ आरएस सिंह, श्री कमलेश्वर प्रसाद श्रीमती रूपा एक्का, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर में डॉ जीआर कुर्रे, श्री अजय कुमार, श्री श्रवण बंजारे, प्रियंका टोप्पो, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली में डॉ जगरानी कुजूर, डॉ संतोष सिंह, श्री सरदाकर भोई, श्रीमती रीता थॉमस, श्रीमती संगीता गुप्ता, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लुण्ड्रा में डॉ शंकर मार्शल टोप्पो, डॉ इमरान, श्री हरिहर सिंह, श्री राम किशोर व अतिशु टोप्पो, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नवापारा में डॉ आयुष जायसवाल, डॉ राम सुंदर, श्रीमती सुमन केरकेट्टा, देवेंद्र प्रधान, साक्षी एक्का, पुलिस लाइन अस्पताल अम्बिकापुर में डॉ महेंद्र साहू, डॉ सूरज सिंह, श्रीमती सुमन यादव, श्रीमती मरियम मिंज, श्री भूपेन्द्र राजवाड़े, अनुषा चौधरी एवं राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यलय सम्बद्ध जिला चिकित्सालय में डॉ विकास पांडेय, श्रीमती हेलेन सिन्हा, श्री अशोक गुप्ता, श्रीमती अंजुला मिश्रा एवं श्रीमती शबनम की ड्यूटी लगाई गई है।

लंबे इंतजार के बाद विमान ईंधन की कीमत में 2.2 प्रतिशत की कटौती, फ्लाइट का किराया हो सकता है सस्ता

» एटीएफ की कीमत में इस साल केवल दूसरी बार कटौती गई है.

» विमान संचालन में ज्ञस पर होने वाले खर्च की हिस्सेदारी 40 फीसदी रहती है.

» हर महीने की पहली और 16वीं तारीख को संशोधित किए जाते हैं.

नई दिल्ली, 16 जुलाई 2022। लंबे इंतजार और लगातार कीमतों में बढ़ोतरी के बाद आज शनिवार विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में 2.2 प्रतिशत की कटौती की गई. यह कमी अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में गिरावट की वजह से आई है. सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, एटीएफ के दाम में 3,084.94 रुपये प्रति किलोलीटर या 2.2 प्रतिशत की कटौती करके इसे 1,38,147.93 रुपये प्रति किलोलीटर कर दिया गया है.

एटीएफ की कीमत में इस साल केवल दूसरी बार कटौती गई है. पिछले महीने इसकी कीमत 1,41,232.87 रुपये प्रति किलोलीटर (141.23 रुपये प्रति लीटर) के चरम पर पहुंच गई थी. एटीएफ के दाम पिछले पखवाड़े अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों के आधार पर हर महीने की पहली और 16वीं तारीख को संशोधित किए जाते हैं. इससे पहले एक जुलाई को कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया था.

क्रूड हुआ सस्ता

माना जा रहा है कि क्रूड की कीमतों में नरमी की वजह से यह कमी आई है. पिछले लगभग एक हफ्ते से क्रूड 100 डॉलर के आस-पास ट्रेड कर रहा है. पिछले दिनों ये 120 डॉलर के करीब था. अब कीमतों में कमी आई है और आगे भी क्रूड में कमी का अनुमान लगाया जा रहा है. लिहाजा एटीएफ भी सस्ता हुआ है.

साल 2022 में ही हवाई ईंधन के दाम लगातार 10 बार बढ़ाए जा चुके हैं. इसके बाद 1 जून को इसकी कीमतों में 1.3 फीसदी की मामूली कटौती की गई थी. उसके बाद फिर इसमें जोरदार बढ़ोतरी देखने को मिल रही थी. इस दूसरी बार कीमतों में कमी की गई है.

हवाई सफर भी सस्ता हो सकता है

विमान संचालन में ATF पर होने वाले खर्च की हिस्सेदारी 40 फीसदी रहती है. यही कारण है कि हवाई ईंधन के दाम बढ़ने से यात्रियों पर सीधा असर पड़ता है. इस साल 16 मार्च को कंपनियों ने ज्ञस में सबसे ज?यादा बढ़ोतरी की थी. तब 18.3 फीसदी कीमत बढ़ाई थी. इसके बाद 1 अप्रैल को भी कीमतों में 2 फीसदी बढ़ोतरी की गई, जबकि 16 अप्रैल को 0.2 फीसदी और 1 मई को 3.22 फीसदी की वृद्धि हुई. अब जब कीमतों में कमी की जा रही है।

आईपीओ लाने की तैयारी में सुला विनयार्ड्स, सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली, 16 जुलाई 2022। इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कमाई करने वाले निवेशकों के लिए पिछले साल की तरह यह साल भी बेहद खास होने वाला है. एक के बाद कई कंपनियां अपना आईपीओ ला रही हैं. इसी कड़ी में अब देश की सबसे बड़ी वाइन कंपनी सुला विनयार्ड्स भी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है.

वाइन की मैन्युफैक्चरिंग करने वाली पहली कंपनी होगी जो बाजार में होगी लिस्ट

सुला विनयार्ड्स शेयर बाजार में लिस्ट होने वाली ऐसी पहली कंपनी होगी जो वाइन की मैन्युफैक्चरिंग करती है जबकि एल्कोहल और स्पिरिट सेगमेंट में आईपीओ लाने की तैयारी करने वाली यह दूसरी

कंपनी होगी. ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलॉइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स ने पिछले महीने ही IPO के लिए सेबी के पास पेपर जमा किया था।

फंड जुटाने के लिए आईपीओ ला रही है कंपनी

कंपनी ने आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबीके पास के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं. ड्राफ्ट दस्तावेज के मुताबिक इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा, जिसमें प्रमोटर, निवेशक और अन्य शेयरधारक 25,546,186 इक्विटी शेयरों की पेशकश करेंगे.

क्या करती है कंपनी

सुला विनयार्ड्स रेड, व्हाइट और स्पार्कलिंग वाइन की बिक्री करती है. यह 13 ब्रांड के तहत 56 प्रकार की वाइन का उत्पादन करती है. कंपनी महाराष्ट्र के नासिक में है. नासिक में अंगूर की खेती सबसे ज्यादा होती है. इस कंपनी में बेल्जियन फैमिली ऑफिस वर्लीनवेस्ट का पैसा लगा हुआ है. इस कंपनी ने सुला विनयार्ड्स में एक दशक पहले निवेश किया था. कंपनी के एमडी और सीईओ राजीव सामंत हैं।

डॉलर में बिना करेक्शन आए सोना,चांदी, क्रूड व दूसरी कमोडिटी में रिकवरी मुश्किल

नई दिल्ली, 16 जुलाई 2022। डॉलर इस समय रिकॉर्ड हाई पर चल रहा है. वहीं, दूसरी कमोडिटीज की कीमतों में कुछ समय से गिरावट देखने को मिल रही है. Kotak Securities के VP - Head Commodity Research रविंद्र राव ने मनी कंट्रोल पर अपने लेख में लिखा है कि हालिया ट्रेंड यह दिखा रहा है कि कमोडिटी की कीमतें मोटे तौर पर यूएस डॉलर पर निर्भर कर रही हैं. जब तक करेंसी में ठीक-ठाक करेक्शन नहीं आता तक कमोडिटी कीमतों में रिकवरी मुश्किल लग रही है.

सभी कमोडिटी में बिकवाली- पिछले हफ्ते, हमने लगभग सभी कमोडिटी में बिकवाली देखी और ज्यादातर ने फ्रेश लो लगाया. मजबूत होते डॉलर के बीच सोना 11 महीने के निचले स्तर पहुंच गया है वहीं, चांदी जुलाई 2020 के लो पर पहुंच गई है. इंडस्ट्रियल मेटल में भी विकास की चिंताओं के बीच गिरावट देखने को मिल रही है.

चीन में वायरस की चिंता और कमजोर सेंटिमेंट की वजह से कॉपर नवंबर 2020 के निचले स्तर पर पहुंच गया है. क्रूड ऑयल भी दबाव में है और फरवरी 2022 के बाद निचले स्तर पर है. इसके साथ अन्य लगभग सभी कमोडिटी और मेटल में गिरावट देखी जा रही है।

बैंक के लिए अच्छी रही जून तिमाही,नेट प्रॉफिट 19 फीसदी बढ़ा,ब्याज से आय में भी 14% का इजाफा

मुंबई, 16 जुलाई 2022। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपना तिमाही रिजल्ट जारी कर दिया है. बैंक के लिए चालू वित्त वर्ष 2022-23 की जून तिमाही अच्छी रही है. बैंक का स्टैंडएलोन नेट प्रॉफिट 19 फीसदी बढ़कर 9196 करोड़ रुपए रहा है. एचडीएफसी बैंक ने एक साल पहले की अवधि में 7,729.64 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था. नतीजे के मुताबिक जून 2022 तिमाही में बैंक को ब्याज से नेट इनकम समेत कुल 25869.6 करोड़ रुपये का टोटल रेवेन्यू हासिल हुआ.

जून तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 14.5% बढ़कर 19,481.4 करोड़ हो गई, जो पिछले साल की समान तिमाही में 17,009.0 करोड़ थी. ब्याज आय में यह बढ़ोतरी एडवांसेज में 22.50 फीसदी, डिपॉजिट्स में 19.2 फीसदी और टोटल बैलेंस शीट में 20.3 फीसदी की ग्रोथ के दम आई है.

एनपीए भी घटा

बैंक का शुद्ध राजस्व (ट्रेडिंग और

बाजार टू बाजार लॉस के नुकसान को छोड़कर) जून तिमाही के लिए 19.8% बढ़कर 27,181.4 करोड़ हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही के लिए 22,696.5 करोड़ था. बैंक का ग्रॉस एनपीए जून 2022 तिमाही में ग्रॉस एडवांसेज का 1.28 फीसदी रहा. पिछले साल की जून 2021 तिमाही में यह आंकड़ा 1.47 फीसदी था. इस एनपीए में मौसमी कृषि क्षेत्र का एनपीए शामिल नहीं है.

725 नए ब्रांच खोले

बैंक ने एक साल में 725 नए ब्रांच खोले और 29038 नए कर्मियों को काम पर रखा. इनमें 36 ब्रांच जून तिमाही में खुले और 10932 कर्मियों को बैंक ने अप्रैल-जून 2022 तिमाही में काम पर रखा. जून तिमाही में प्रोविजंस एंड कांटिजेंसीज 3187.7 करोड़ रुपये था जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह आंकड़ा 4830.8 करोड़ रुपये पर था.

शुक्रवार को रिजल्ट से पहले एचडीएफसी बैंक के शेयरों में कारोबार के आखिरी सत्र में तेजी देखने को मिली. शुक्रवार सुबह बैंक का शेयर गिरावट में ट्रेड कर रहा था लेकिन दोपहर बाद में इसमें सुधार देखने को मिला. लास्ट में 0.96% की बढ़त के साथ बैंक का शेयर 1,364 रुपए पर क्लोज हुआ. एचडीएफसी बैंक के रिजल्ट का बाजार को भी इंतजार था. अब अगले हफ्ते रिजल्ट पर बैंक का शेयर रिएक्ट करेगा।

कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख

मुंबई ,16 जुलाई 2022। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के प्रभाव से आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 166 रुपये प्रति दस ग्राम फिसल गया वहीं चांदी में 457 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी रही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.41 प्रतिशत की गिरावट लेकर 1702.42 डॉलर प्रति औंस रह गया। वहीं, अमेरिका सोना वायदा 0.31 प्रतिशत बढ़कर 1709.70 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चांदी हाजिर 0.96 प्रतिशत की तेजी लेकर 18.56 डॉलर प्रति औंस बोली गई।

देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 166 रुपये गिरकर 50062 रुपये प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 148 रुपये उतरकर 50191 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। वहीं, इस बीच चांदी 457 रुपये की बढ़त लेकर 55492 रुपये प्रति किलोग्राम पर और चांदी मिनी 393 रुपये महंगी होकर 56048 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

सावन के महीने में इन चीजों के सेवन से करें परहेज,बढ़ सकती हैं पाचन की समस्याएं

बेहतर सेहत के लिए शुद्ध और पौष्टिक आहार के साथ उसकी तासीर और प्रवृत्ति पर भी विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। किस मौसम में क्या खाना चाहिए-क्या नहीं? इसका आयुर्वेद में विस्तृत अध्ययन मिलता है। हिंदी कैलेंडर के अनुसार इस समय सावन का महीना चल रहा है। यह महीना देश में मानसून का माना जाता है। आयुर्वेद विशेषज्ञों के मुताबिक इस मौसम में सभी लोगों को खान-पान को लेकर विशेष सावधानी और सतर्कता बरतते रहने की आवश्यकता होती है।

अन्य मौसम में प्रायः शरीर के लिए फायदेमंद मानी जाने वाली कुछ चीजों का सावन के महीने में सेवन करना कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकता है।

सावन का महीना मानसून के समय वाला होता है, ऐसे में इस महीने में वातावरण की आर्द्रता के कारण कई तरह के बैक्टीरिया और वायरस के उपजने का जोखिम होता है। ऐसे में खान-पान को लेकर बरती गई किसी भी तरह की लापरवाही आपमें पाचन तंत्र की समस्याओं का कारण बन सकती है। आइए आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ प्रवीण सिन्हा से जानते हैं कि सावन के महीने में किन चीजों के सेवन को लेकर विशेष सावधानी बरतनी जरूरी है?

पत्तेदार सब्जियों की मनाही

वैसे तो हरी और पत्तेदार सब्जियों को

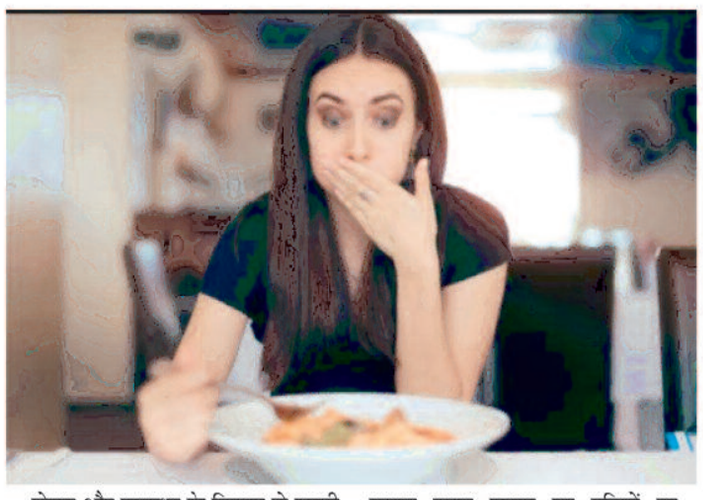

पोषण और स्वास्थ्य के लिहाज से काफी फायदेमंद माना जाता है फिर भी श्रावण मास के दौरान इनसे बचना चाहिए। इसका मुख्य कारण इन पत्तियों पर बैक्टीरिया या वायरस के उपजने का जोखिम होता है। बारिश के दौरान इनका सेवन पित्त रस के अतिरिक्त स्राव का कारण भी बन सकता है, जिसके कारण पेट में कई तरह की समस्याओं का खतरा रहता है।

दूध को लेकर क्या है सलाह?

दूध को आमतौर पर स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है लेकिन सावन के महीने में इसका संयमित सेवन करना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है मानसून के इस मौसम में दूध के कारण शरीर में पित्त रस बढ़ सकता है। दूध की जगह आप दही, लस्सी आदि का सेवन कर सकते हैं। इस मौसम में पाचन स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतना बहुत आवश्यक माना जाता है।

मांसाहार से बचाव

धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों आधार पर सावन के महीने में मांसाहार जैसे चिकन, मांस और मछली आदि के सेवन से परहेज की सलाह दी जाती है। बारिश का मौसम कीटाणुओं के प्रजनन के लिए उपयुक्त होता है ऐसे में मांस आदि को लेकर बरती गई किसी भी प्रकार की अस्वच्छता इसे संक्रामक बना सकती है। अनहाइजेनिक रूप से इन चीजों के रखरखाव और सेवन के कारण फूड पॉइजनिंग का खतरा हो सकता है।

बैंगन न खाएं

मानसून, विशेषकर सावन के इस मौसम में बैंगन की सब्जी भी न खाने की सलाह दी जाती है, इसका मुख्य कारण इसमें कीड़ों का होना माना जाता है। इस मौसम में बैंगन में कीड़े पड़ने का खतरा अधिक होता है जो इस सब्जी को दूषित कर देता है। ऐसे में इसके सेवन के कारण पाचन तंत्र की समस्याओं का जोखिम कई गुना तक बढ़ जाता है।

चाय के साथ न खाएं ये पदार्थ पकौड़ा तो बिलकुल नहीं

दुनिया भर में लोग अपने दिन की शुरुआत एक कप ताजा और कड़क चाय से करते हैं. चाय पीकर शरीर में स्फूर्ति आ जाती है और फ्रेश लगने लगतदा है. यदि आप भी टी-लवर्स हैं तो आप दिन में भी कई बार चाय पीते होंगे. सुबह हो, दोपहर हो या शाम, चाय का हर एक कप आपको सुकून देता है। दूध वाली चाय के अलावा दुनिया भर के लोग चाय के कई अलग-अलग प्रकारों का सेवन करते हैं. ग्रीन टी और ब्लैक टी से लेकर कैमोमाइल और हिबिस्कस टी तक, चाय की कई किस्में मौजूद हैं. चाय के साथ कोई बिस्किट खाना पसंद करता है तो कोई पकौड़ी. लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें चाय के साथ कभी नहीं खाना चाहिए. अगर ऐसा करते हैं तो सेहत को नुकसान हो सकता है. तो आइए उन चीजों के बारे में जान लीजिए जिन्हें चाय के साथ नहीं खाना चाहिए.

बेसन पकोड़े या नमकीन के साथ चाय पीना भारत में काफी कॉमन है. हममें से अधिकतर लोग ऐसा करते हैं. एक्सपर्ट का मानना है कि चाय के साथ बेसन से बनी चीजों को खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं और यह शरीर की पोषक तत्वों को अवशोषित करने की क्षमता को भी कम कर देता है. इसलिए कभी भी चाय के साथ बेसन से बनी चीजों का सेवन ना करें.

मेवे दूध के साथ आयरन युक्त चीजें खाने से बचना चाहिए. नट्स आयरन से भरपूर होते हैं इसलिए चाय के साथ नट्स खाने से सेहत पर गलत असर हो सकता है इसलिए चाय के साथ नट्स खाने से भी बचें.

आयरन से भरपूर चीजों को चाय के साथ नहीं खाना चाहिए. ऐसा इसलिए क्योंकि चाय में टैनिन और ऑक्सालेट होते हैं जो आयरन से भरी चीजों को अब्जॉर्ब होने से रोकते हैं. इसलिए आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे नट्स, हरी पत्तेदार सब्जियां, अनाज, दाल और अनाज को चाय के साथ खाने से बचना चाहिए.

नींबू वाली चाय पीने की सलाह फिटनेस इंडस्ट्री में काफी दी जाती है क्योंकि कुछ लोगों का मानना होता है कि इससे तेजी से वजन कम होता है. लेकिन उन लोगों को यह भी जान लेना चाहिए कि चाय में नींबू के रस के साथ मिलाने से वह अम्लीय हो सकती है और शरीर में सूजन का कारण बन सकती है.

नींबू की चाय का सेवन अगर सुबह खाली पेट किया जाए तो एसिड रिफ्लक्स और हार्टबर्न जैसी समस्या भी हो सकती हैं. इसलिए बेहतर होगा कि आप इस चाय से पूरी तरह परहेज करें.

हल्दी चाय पीते समय हल्दी वाले खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए क्योंकि इससे भी पेट में गैस, एसिडिटी या कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं. हल्दी और चाय की पत्तियां एक दूसरे के अनुकूल नहीं होतीं इसलिए कभी भी हल्दी वाली चीजों का चाय के साथ सेवन ना करें.

ठंडी चीजें कभी भी किसी ठंडी चीजों को गर्म चाय के साथ या चाय के तुरंत बाद ना खाएं. ऐसा करने से डाइजेशन संबंधित समस्याएं हो सकती हैं. इसका कारण है अलग-अलग तापमान के खाद्य पदार्थों का एक साथ सेवन करने से पाचन प्रक्रिया कमजोर हो सकती है और मिचली की समस्या हो सकती है. गर्म चाय पीने के बाद कम से कम 30 मिनट तक कुछ भी ठंडा खाने से बचें।

इन चार घरेलू उपायों से हटाएं आंखों के नीचे काले घेरे,जल्द दिखने लगेगा असर

आपकी खूबसूरती आपके चेहरे से शुरू होती है। लोगों की सबसे पहली नजर आपके फेस पर जाती हैं। ऐसे में भले ही आपका फेस कट या रंगत उतनी आकर्षक न हो, जितनी आप चाहते हैं लेकिन आपकी आंखों की चमक सबसे मायने रखती हैं। वहीं इसके विपरीत अगर आप बेहद खूबसूरत हैं, आपकी त्वचा चमकदार है लेकिन आंखों के नीचे काले घेरे हों तो यह आपकी खूबसूरती में दाग लगने जैसा हो जाता है। आंखों के नीचे काले घेरे या डार्क सर्कल थकान, नींद न पूरी होने या उम्र बढ़ने के साथ आने लगते हैं। जिससे आप अपनी उम्र से अधिक बड़े लगने लगते हैं।

वैसे तो महिलाएं डार्क सर्कल को छिपाने के लिए मेकअप का सहारा लेती हैं लेकिन आपको मेकअप के बजाए प्राकृतिक तरीके से काले घेरे को हटाने के प्रयास करने चाहिए। यहां हम आपको कुछ आसान घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप आंखों के नीचे के डार्क सर्कल को आसानी से दूर कर सकती हैं। अगली स्लाइड्स में जानिए डार्क सर्कल को कम करने के आसान घरेलू उपाय।

डार्क सर्कल हटाने के लिए घरेलू उपाय

काले घेरे पर लगाए ठंडा दूध

दूध का इस्तेमाल हर घर में होता है। दूध स्किन के लिए काफी फायदेमंद भी होता है। डार्क सर्कल हटाने के लिए ठंडा दूध उपयोग में ला सकते हैं। इसके लिए एक कटोरी में दूध में कॉटन बॉल को भिगो लें। उसके बाद रुई को आंखों के काले घेरे को कवर करते हुए रखें। लगभग 20 मिनट के लिए रुई को आंखों पर रखे रहने दें। बाद में ताजे पानी से आंखें धो लें। अगर आप नियमित सुबह और रात में ये प्रक्रिया अपनाते हैं तो आपको जल्द ही असर दिखने लगेगा।

गुलाब जल का करें इस्तेमाल

दूध की तरह गुलाब जल भी आपकी त्वचा और आंखों के लिए लाभप्रद है, इसलिए गुलाब जल को ठंडे दूध में बराबर मात्रा में मिलाकर रुई को भिगो लें। फिर उसे अपनी आंखों के ऊपर रखें। करीब 20 मिनट बाद रुई को हटा कर ताजे पानी से चेहरा धो लें। हर दिन अगर आप ऐसा करते हैं तो एक सप्ताह में आपके चेहरे से डार्क सर्कल कम होते दिख जाएंगे।

बादाम का तेल मिटाएगा डार्क सर्कल

बादाम के तेल में ठंडे दूध को मिलाकर भी आप लगा सकते हैं। बराबर मात्रा में दोनों को मिलाकर दो कॉटन बॉल्स को भिगो लें। फिर लेट जाइए और अपनी आंखों के काले घेरे को कवर करते हुए 20 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दे। बाद में पानी से फेस धो लें।

शहद, नींबू से मिटाएं डार्क सर्कल

एक चम्मच कच्चे दूध में नींबू का रस मिला लें। जब दूध फट जाए तो उसमें एक चम्मच शहद मिलाकर इस मिश्रण को आंखों पर लगाकर कुछ देर मसाज करें। फिर 10 मिनट के लिए ऐसे ही लगा छोड़ दें। इसके बाद पानी से धो लें।

CMYK

सऊदी अरब में बाइडन ने क्राउन प्रिंस से किए कड़े सवाल,जर्नलिस्ट खशोगी की हत्या का मामला उठाया

» बाइडन ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ बैठक में उठाया खशोगी की हत्या का मुद्दा

» जो बाइडन की सऊदी अरब यात्रा की हो रही आलोचना

अमेरिका, 16 जुलाई 2022। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपनी सऊदी अरब की यात्रा के दौरान वहां के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से कुछ कठोर सवाल पूछे हैं. बाइडन ने कहा कि उन्होंने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ बैठक के दौरान पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या का मुद्दा उठाया. सऊदी अरब के साथ अमेरिका के संबंधों की पुरानी गर्मजोशी को कायम करने के लिए जो बाइडन इस समय सऊदी अरब में हैं. जबकि जो बाइडन ने इससे पहले मानवाधिकारों के रिकॉर्ड के मुद्दे पर सऊदी अरब को लेकर कठोर रुख अपनाने का वादा किया था.

बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उन्होंने यह साफ कर दिया है कि 2018 में ये हत्या 'मेरे और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण' थी. लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश अन्य मुद्दों को लेकर समझौते पर पहुंचे हैं. जबकि कई लोगों ने अक्टूबर 2018 में तुर्की के इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में सऊदी अरब के असंतुष्ट पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के बावजूद बाइडन के सऊदी अरब की यात्रा पर जाने की आलोचना की है.

गौरतलब है कि क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान पर अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने पत्रकार जमाल खाशोगी की हत्या को मंजूरी देने का आरोप लगाया था. क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है और सऊदी अरब ने कुछ सऊदी एजेंटों को इसके लिए दोषी ठहराया है. क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ शुक्रवार की बैठक के बाद जो बाइडन ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि 'खाशोगी की हत्या के बारे मैंने इसे बैठक के शीर्ष पर उठाया. जिससे यह साफ हो गया कि मैं उस समय इसके बारे में क्या सोचता था और अब मैं इसके बारे में क्या सोचता हूं. मैंने बहुत सीधे तौर पर कहा कि एक अमेरिकी राष्ट्रपति का मानवाधिकारों के मुद्दे पर चुप रहना इस बात से असंगत है कि हम कौन हैं और मैं कौन हूं. मैं हमेशा अपने मूल्यों के लिए खड़ा रहूंगा.'

इस बैठक से पहले बाइडन को क्राउन प्रिंस से साथ मुट्ठी बांधते हुए देखा गया था, जो दोनों देशों के बीच संबंधों के एक बार फिर से गर्म होने का संकेत था. लेकिन खशोगी की मंगेतर हैटिस केंगिज ने राष्ट्रपति जो बाइडन की आलोचना की. उन्होंने एक फोटो के साथ ट्वीट करते हुए लिखा कि इसे देखकर उनके मंगेतर ने क्या कल्पना की होगी. केंगिज ने लिखा कि 'क्या यह वह जवाबदेही है जिसका आपने मेरी हत्या के लिए वादा किया था?'

श्रीलंका संकट

कोलंबो के सुपरमार्केट में तेजी से कम हो रहा है भोजन और अन्य जरूरी सामान

» कम से कम 65,600 लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं.

» लगभग 67 लाख लोग पर्याप्त आहार नहीं ले पा रहे हैं.

» गिरते विदेशी मुद्रा भंडार के कारण श्रीलंका गंभीर संकट जूझ रहा है.

कोलंबो, 16 जुलाई 2022। श्रीलंका में लगातार बढ़ रहे राजनीतिक और आर्थिक संकट के साथ ही राजधानी कोलंबो के सुपरमार्केट में तेजी से भोजन और अन्य जरूरी वस्तुएं की कमी होती जा रही है. संकटों से घिरे देश में लोग रसोई गैस, मिट्टी के तेल, गैसोलीन, चीनी, दूध पाउडर और दवाओं जैसी आवश्यक चीजों के लिए कई दिनों से कतार में खड़े हैं. संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के अनुसार, लगभग 20.3 लाख बच्चों सहित 50.7 लाख श्रीलंकाई लोगों को तुरंत ही मानवीय सहायता की आवश्यकता है.

विश्व खाद्य कार्यक्रम ने कहा है कि श्रीलंका की कुल आबादी में से 60 लाख यानी 28 प्रतिशत से अधिक लोग 'खाद्य असुरक्षा' का सामना कर रहे हैं तथा ये हालात और खराब होने की आशंका है क्योंकि सबसे बदतर आर्थिक संकट से जूझ रहे देश में संकट गहराता जा रहा है. श्रीलंका फिलहाल गिरते विदेशी मुद्रा भंडार के कारण गंभीर संकट जूझ रहा है और सरकार आवश्यक आयात के लिए भुगतान करने में सक्षम नहीं है. आर्थिक संकट के कारण खाद्य सामग्री, दवाओं, रसोई गैस, ईंधन और टॉयलेट पेपर की भारी किल्लत हो गई है.

'28 प्रतिशत आबादी खाद्य असुरक्षा का सामना कर रही है'

लोगों को ईंधन और रसोई गैस खरीदने के लिए दुकानों के बाहर घंटों इंतजार करना पड़ रहा है. विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने शुक्रवार को श्रीलंका की स्थिति पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि देश की 63 लाख यानी 28 प्रतिशत आबादी खाद्य असुरक्षा का सामना कर रही है और संकट गहराने के कारण हालात और खराब हो सकते हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से कम से कम 65,600 लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं. डब्ल्यूएफपी ने आगाह किया कि यदि तत्काल हस्तक्षेप नहीं किया गया तो यह संख्या तेजी से बढ़ सकती है।

'लगभग 67 लाख लोग पर्याप्त आहार नहीं ले पा रहे'

डब्ल्यूएफपी ने कहा कि भोजन की आसमान छूती कीमतों के कारण लोगों के लिए खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल हो रहा है. लगभग 67 लाख लोग पर्याप्त आहार नहीं ले पा रहे हैं. एजेंसी 2022 में 34 लाख लोगों तक पहुंचने के लिए अपनी पहुंच बढ़ा रही है. डब्ल्यूएफपी ने कहा कि उसे अपनी जीवन रक्षक सहायता के लिए तत्काल 6. 3 करोड़ डॉलर की आवश्यकता है.।

सुप्रीम कोर्ट से इमरान खान को झटका,सत्ता परिवर्तन की साजिश संबंधी दावों को कोर्ट ने किया खारिज

इस्लमाबाद, 16 जुलाई 2022। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने सत्ता परिवर्तन की साजिश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के दावों को खारिज कर दिया है. खान को 10 अप्रैल को अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से हटा दिया गया था, लेकिन उन्होंने संसद के फैसले को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था. खान ने अमेरिका पर स्थानीय सहयोगियों की मदद से उनकी सरकार को बदलने का आरोप लगाया था.

शीर्ष अदालत ने तीन अप्रैल को तत्कालीन डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी द्वारा अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने से संबंधित एक मामले में बृहस्पतिवार को एक विस्तृत फैसले में लिखा कि उसे सत्ता परिवर्तन के दावे के समर्थन में सबूत नहीं मिले.

सूरी ने प्रस्ताव को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि यह विदेशी मदद से सरकार बदलने का प्रयास था. अदालत ने अपने आदेश में सूरी के फैसले को अवैध घोषित किया था और प्रस्ताव पर मतदान का आदेश दिया था.

अदालत ने अपने विस्तृत फैसले में खान और उनके समर्थकों के इस दावे का समर्थन नहीं किया कि सरकार विदेशी हस्तक्षेप से बदली गई थी. अन्य बातों के अलावा, अदालत ने माना कि आरोप अस्पष्ट थे और सबूतों द्वारा समर्थित नहीं थे.

अदालत ने अपने फैसले में कहा, ÷इस आशय का कोई अवलोकन नहीं किया गया था कि अविश्वास प्रस्ताव (आरएनसी) विपक्षी दलों द्वारा या पाकिस्तान में व्यक्तियों द्वारा एक विदेशी राष्ट्र के साथ साजिश के तहत पेश किया गया था; और आरएनसी को पेश करने के लिए किसी विदेशी राष्ट्र का समर्थन लेने के लिए पाकिस्तान में किसी भी व्यक्ति की भागीदारी की प्रकृति या सीमा का पता लगाने के लिए मामले में कोई जांच/पड़ताल का आदेश नहीं दिया गया था.÷

न्यूजीलैंड में कोरोना संक्रमण के 9,241 नये मामले दर्ज

वेलिंग्टन ,16 जुलाई 2022। न्यूजीलैंड में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 9,241 नये मामले सामने आये हैं, ये सभी स्थानीय रूप से संचारित मामले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। न्यूजीलैंड में पिछले एक हफ्ते से स्थानीय रूप से संचारित मामले औसत 9,984 रहे हैं। मंत्रालय ने इस दौरान 761 कोरोना मरीजों के अस्पतालों में उपचाराधीन होने की भी जानकारी दी है। इनमें से 15 मरीज गहन चिकित्सा विभाग में भर्ती हैं। इस दौरान 29 मौतें भी सामने आई हैं। इसके अलावा, देश में कोरोना के 308 मामले ऐसे हैं, जो विदेशों से आए संक्रमित लोगों में पाये गये हैं। हाल के दिनों में यहां मामलों की संख्या में उछाल को देखते हुए मंत्रालय ने लोगों से अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है जैसे कि लोगों के बीच हमेशा मास्क पहनकर रहना, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना इत्यादि।

रूस के बमवर्षक विमानों का यूक्रेन पर हमला,दक्षिणपूर्वी शहर में दागे क्रूज मिसाइल

» रूस की कोशिश यूक्रेनी नेताओं के अटूट मनोबल को तोड़ने की है.

» रूस का सैन्य अभियान मुख्य रूप से यूक्रेन के पूर्व में डोनबास पर केंद्रित है.

विनित्सिया (यूक्रेन), 16 जुलाई 2022। रूस के बमवर्षक विमानों ने शुक्रवार देर रात यूक्रेन के दक्षिणपूर्वी शहर में क्रूज मिसाइल दागी जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. इससे एक दिन पहले, रूस ने राजधानी कीव से दक्षिण पश्चिम में स्थित विनित्सिया पर मिसाइल हमला किया था जिसमें कम से कम 23 लोग मारे गए थे और 200 से ज्यादा घायल हुए थे. रूस का सैन्य अभियान मुख्य रूप से यूक्रेन के पूर्व में डोनबास पर केंद्रित है, लेकिन रूसी सेना देश के अन्य इलाकों पर भी बमबारी कर रही हैं ताकि यूक्रेन के नेताओं का मनोबल तोड़ा जा सके.

यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि टीयू-95एमएस बमवर्षक विमानों के जरिये दनिप्रो में स्थित एक फैक्टरी पर रात 10 बजे कई केएच-101 क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया. वायु सेना ने कहा कि चार मिसाइलों को रोकने में सफलता मिली. क्षेत्र के गवर्नर वैलेन्टिन रेजनिचेंको ने कहा कि फैक्टरी और आसपास की सड़कों पर मिसाइल गिरी जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए.

इस बीच, रूसी सेना ने यूक्रेन के अन्य इलाकों में हमला किया है. युद्ध के करीब पांच महीने पूरे होने के मद्देनजर रूस की कोशिश यूक्रेनी नेताओं के अटूट मनोबल को तोड़ने की है. रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 फरवरी को आक्रमण की शुरुआत की थी. एक रूसी पनडुब्बी द्वारा यूक्रेनी शहर विनित्सिया पर किए गए ताजा क्रूज मिसाइल हमले में नागरिकों की जान जाने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आक्रोश है।

बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा ने कहा-भारत चीन सीमा विवाद बातचीत से सुलझाना होगा,सेना नहीं है हल

धर्मशाला, 16 जुलाई 2022। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने शुक्रवार को कहा कि भारत और चीन को सीमा विवाद को बातचीत और शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाना चाहिए. दलाई लामा की टिप्पणी भारत और चीन के बीच कोर कमांडर-स्तरीय बैठकों के 16वें दौर से पहले आई है, जो 17 जुलाई से शुरू होने की उम्मीद है. चीन और भारत के बीच गलवान घाटी और लद्दाख में हुए गतिरोध के बाद से दोनों देश सीमा विवाद को बातचीत से सुलझाने का प्रयास कर रहे है. हालांकि अभी तक कोई उत्साहजनक नतीजे देखने को नहीं मिले है. दलाई लामा ने यह टिप्पणी जम्मू से लद्दाख के लिए रवाना होने से पहले की है.

बातचीत में दलाई लामा ने कहा कि भारत और चीन दोनों प्रतिस्पर्धी और पड़ोसी देश हैं, देर-सबेर बातचीत और शांतिपूर्ण तरीकों से इस समस्या का समाधान करना होगा. उन्होंने आगे कहा कि सेना के इस्तेमाल से समस्या को सुलझाना अब पुराना तरीका हो गया है.

इससे पहले कल जम्मू में पत्रकारों से बात करते हुए 87 वर्षीय बौद्ध गुरु ने कहा था कि चीन में अधिकांश लोगों को यह एहसास है कि वह चीन के भीतर स्वतंत्रता की मांग नहीं कर रहे हैं. बल्कि चीन में रहते हुए स्वायत्तता और बुद्धिस्ट संस्कृति को सहेजने की बात कर रहे है.

दलाई लामा ने कहा, ÷चीनी लोग नहीं, लेकिन कुछ चीनी कट्टरपंथी मुझे अलगाववादी मानते हैं. अब अधिक से अधिक चीनी यह महसूस कर रहे हैं कि दलाई लामा स्वतंत्रता की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि चीन के भीतर सार्थक स्वायत्तता और तिब्बती बौद्ध संस्कृति को संरक्षित करना चाहते हैं.÷ दलाई लामा यह उत्तर चीन द्वारा उनके लद्दाख के दौरे पर की गई आपत्ति के प्रश्न पर दें रहे थे.

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं. वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के फैलने के बाद से धर्मशाला में स्थित अपने मठ के बाहर दलाई लामा का यह पहला आधिकारिक दौरा है।

घर में हुई चोरी तो जांच करने पहुंची पुलिस,एक मच्छर ने उगल दिया राज! पकड़ा गया अपराधी

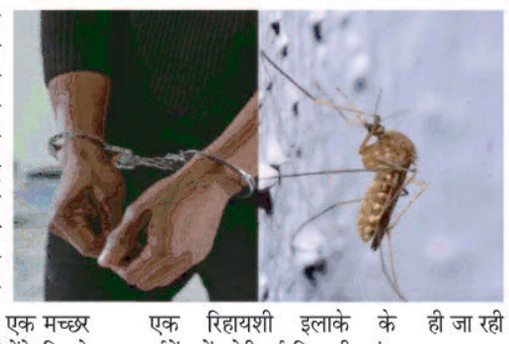

चीन , 16 जुलाई 2022। आपने अक्सर फिल्मों या सीरियल में देखा होगा कि जब कोई जुर्म होता है तो पुलिस उसकी जांच में कड़ी मेहनत करती है और अलग-अलग तरह के सुराग खोजती है जिससे मुजरिम का पता लग सके. कई बार तो जांच के लिए ऐसी-ऐसी चीजें जब्त की जाती हैं जो दिखने में भले ही छोटी लगती हैं मगर उनसे बड़ी जानकारी समझ में आ जाती है. हाल ही में चीन की पुलिस ने भी ऐसा ही किया मगर उन्होंने जिस चीज से अपराधी का पता लगाया, वो कोई वस्तु नहीं, बल्कि एक मच्छर था.

जी हां, एक मच्छर ने अपराधी के बारे में बता दिया जिससे वो पकड़ा गया. चीनी न्यूज वेबसाइट ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार चीन के फूजियान प्रांत के फूजो शहर में एक हैरान करने वाली घटना घटी. यहां जांचकर्मियों ने जुर्म करने वाले का पता एक मच्छर से लगा लिया. आप सोचेंगे कि ये कैसे मुमकिन है. चलिए आपको इसके बारे में सब कुछ बताते हैं.

मच्छर से चला चोर का पता

एक रिहायशी इलाके के अपार्टमेंट में चोरी हुई जिसकी जांच करने पुलिस पहुंची. घर काफी वक्त से बंद था तो पुलिस ने अंदाजा लगाया कि चोर बालकनी से ही घर के अंदर घुसा होगा. घर के किचेन में उबले अंडे, बची हुई नूडल्स, बिस्तर पर चिमुड़ी हुई कंबल और तकिया मिली तो पुलिस समझ गई कि चोर ने घर में कुछ वक्त बिताया होगा और उसके बाद सामान चुराकर भागा होगा. जब जांच की ही जा रही थी तभी पुलिस को दीवार पर एक मरा हुआ मच्छर चिपका मिला. उसके शरीर से खून की बूंदें भी निकली थीं जो दीवार पर ही लगी रह गई थीं।

अपराध के 19 दिन बाद पकड़ा गया अपराधी

ऑडिटी सेंट्रल वेबसाइट के अनुसार पुलिस ने उस खून से डीएनए टेस्ट करने का प्लान बनाया. जांच से पता चला कि वो डीएनए एक चाय नाम के अपराधी के डीएनए से मैच कर गया जिसका काफी पुराना क्रिमिनल रिकॉर्ड था. 19 दिन बाद उसे पूछताछ के लिए बुलाया गया और तब उसने कबूल किया कि उस घर के साथ-साथ उसने 3 और घरों में इस बीच चोरी की है. अब उसे हिरासत में लिया गया है और कोर्ट में ट्रायल जारी है।

कनाडा में सिख नेता रिपुदमन की हत्या, एयर इंडिया फ्लाइट ब्लास्ट में आया था नाम

टोरंटो, 16 जुलाई 2022। कनाडा के वैंकूवर में सिख नेता रिपुदमन सिंह मलिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई. यह घटना गुरुवार देर रात की है. उन्हें गोली क्यों मारी गई, यह अभी तक पता नहीं चल सका है. बाइक सवार युवकों ने उन पर हमला किया, जो कार से आए थे. बाद में सबूत मिटाने के लिए उन्होंने कार को जला दिया.

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि गोलियां काफी करीब से मारी गईं थीं. रिपुदमन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. 1985 के एयर इंडिया फ्लाइट के बम धमाकों में रिपुदमन का नाम सामने आया था, लेकिन बाद में 2005 में उन्हें इस मामले में बरी कर दिया गया था.

ब्लास्ट में 331 लोगों की चली गई थी जान

एयर इंडिया की फ्लाइट 22 जून 1985 को कनाडा से दिल्ली के रवाना हुई थी.आयरिश एयर स्पेस में विस्फोट हुआ और फ्लाइट में सवार 22 क्रू मेंबर समेत 331 यात्रियों की मौत हो गई. इनमे से ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे.

धमाके के वक्त प्लेन लंदन के हीथ्रो एयर पोर्ट से करीब 45 मिनट की दूरी पर था. कनाडा में रहने वाले सिख नेता रिपुदमन सिंह मलिक को इस मामले में आरोपी माना गया।

बम के खतरे के कारण सैन फ्रांसिस्को एयरपोर्ट का टर्मिनल खाली कराया गया,एक शख्स हिरासत में

सैन फ्रांसिस्को, 16 जुलाई 2022। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल को बम की धमकी के कारण खाली कराया गया है. इस मामले में एक शख्स को हिरासत में लिया गया है. लॉस एंजिल्स टाइम्स की एक खबर में कहा गया है कि बम की धमकी मिलने के बाद सैन फ्रांसिस्को हवाईअड्डे से लोगों को बाहर निकाला गया है. एक शख्स को हिरासत में लिया गया है.

पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि बम की धमकी के कारण शुक्रवार रात सैन फ्रांसिस्को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अंतर्राष्ट्रीय टर्मिनल से यात्रियों को निकाला गया. सैन फ्रांसिस्को पुलिस विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि हवाई अड्डे के अधिकारियों को एक बम की धमकी की रिपोर्ट मिली. साथ ही एक संदिग्ध पैकेज मिला और इस सामान को संभवतः ज्वलनशील माना जा रहा है. इस घटना के सिलसिले में एक शख्स को हिरासत में लिया गया है.

हवाई अड्डे पर भारी संख्या में फोर्स के साथ ही विस्फोटक आयुध निपटान इकाई को भी तैनात किया गया है और मामले की जांच की जा रही है. हवाई अड्डे के अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि की है. हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि पुलिस की कुछ गतिविधियों के कारण लोगों को अंतर्राष्ट्रीय टर्मिनल से निकाला गया है और यात्रियों को अगली सूचना तक अंतर्राष्ट्रीय टर्मिनल पर आने से बचने के लिए कहा गया है. अधिकारियों ने कहा कि एयरट्रेन और बार्ट सेवा निलंबित हैं. जबकि यात्री ड्रॉप-ऑफ और पिकअप सेवा केवल घरेलू टर्मिनलों पर चालू है।

पहली टीवी डिबेट में टैक्स और बोरिस जॉनसन की ईमानदारी पर पूछे गए सवाल

ब्रिटेन , 16 जुलाई 2022। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने की रेस में भारतीय मूल के ऋषि सुनक दो चरण की वोटिंग के बाद सबसे आगे रहे हैं. यूके में कंजरवेटिव पार्टी के पास बहुमत है. पार्टी के अंदर ही प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया चल रही है. इसके तहत नॉमिनेशन, एलिमिनेशन और फाइनल सेलेक्शन के राउंड होते हैं. इस समय एलिमिनेशन राउंड चल रहा है. इसी प्रक्रिया के तहत कंजरवेटिव पार्टी के अंतिम पांच उम्मीदवारों ने पहली टीवी डिबेट में हिस्सा लिया. जिसमें उन्होंने ब्रिटेन में कर और उससे संबंधित योजनाओं पर अपने विचार शेयर किए.

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की रेस में सबसे आगे चल रहे पूर्व चांसलर ऋषि सुनक ने पहली टीवी डिबेट में अपने प्रतिद्वंद्वियों द्वारा कर्ज और अधिक ऋण दिए जाने की होड़ की प्रतिज्ञा का विरोध किया. ऋषि सुनक ने टीवी डिबेट के दौरान जोर देकर कहा कि वह देश के राजकोष को बढ़ाने के लिए कठिन निर्णय लेने के पक्ष में हैं. उन्होंने ब्रिटेन की राष्ट्रीय संपदा को बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल के लिए राष्ट्रीय बीमा को बढ़ाए जाने का समर्थन किया. ऋषि सुनक ने कहा कि राष्ट्रीय राजकोष को बढ़ाने के लिए ये एक कारगार उपाय था, लेकिन अब इसे लेकर कटौती का वादा करना किसी परी कथा सा प्रतीत होता।

रेहर कोल स्टॉक में गड़बड़ी की जांच करने पहुंची

विजिलेंस को मिली भारी मात्रा में कोल स्टॉक में कमी

» कोल स्टॉक में बड़ी गड़बड़ी को लेकर विजिलेंस व प्रोडक्शन विभाग की 4 सदस्य टीम पहुंची जांच में।
» प्रबंधन कोल स्टॉक की गड़बड़ी को छुपाने का कर रहा था प्रयास, इस बीच जांच टीम की दबिश।
» क्या गड़बड़ी पाए जाने पर जांच टीम दोषियों के खिलाफ कराएगा एफआईआर दर्ज?
» जांच दल ने अपने सामने कराया कोल स्टॉक मेजरमेंट दिखी कमी पर जांच दल कुछ भी कहने से बचता दिखा क्यों?
» क्या जाँच टीम एसईसीएल के अधिकारियों को बचाने का तो नहीं कर रहा प्रयास?
» क्या कोल स्टॉक गड़बड़ी से बचने के लिए खान प्रबंधक ने थाने में कोयला चोरी की शिकायत कराई दर्ज? क्या चोरों के आड़ में बचने का प्रयास?
» क्या विजिलेंस कर पाएगी निष्पक्ष कोल स्टॉक गड़बड़ी की जांच या फिर एसईसीएल के अधिकारी बच निकलेंगे इस मामले से?
» शिकायत:रेहर भूमिगत खदान का मामला,करोड़ों की हेराफेरी का आरोप।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 16 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

लोकहित प्रकटीकरण एवं मुखबिर संरक्षण पर भारत सरकार के संकल्प द्वारा भारत सरकार ने भ्रष्टाचार के किसी भी आरोप को प्रकट करने अथवा कार्यालय का दुरूपयोग करने सम्े बन्धित लिखित शिकायतें प्राप्े त करने तथा उचित कार्रवाई की सिफारिश करने वाली एक नामित एजेंसी के रूप में केन्े द्रीय सतर्कता आयोग को प्राधिकृत किया है। यही वजह की जब कोई गड़बड़ी होती है तो लोगों को लगता है कि स्वतंत्र सरकारी एजेंसियों निष्पक्ष जांच करेंगे और गड़बड़ी करने वाले पर कार्यवाही होगी, इसी को लेकर एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के रेहर खदान में बड़ी मात्रा में कोल स्टॉक गड़बड़ी की शिकायत तमाम स्वतंत्र सरकारी एजेंसियों को की गई है, ताकि गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जा सके और भविष्य में कोई भी राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचा, राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पंहुचा लाभ ना कमाए, रेहर खदान क्षेत्र में कोल स्टॉक में भारी गड़बड़ी को लेकर शिकायत की गई थी जिस पर विजिलेंस व प्रोडक्शन विभाग की टीम देर से ही सही पर जांच करने पहुंची, उनके आने में इतना समय लग गया कि कोल स्टॉक गड़बड़ी के मामले को रफा-दफा करने के लिए प्रबंधन एड़ी चोटी एक कर दिया फिर भी जांच में आई टीम को कोल स्टॉक में गड़बड़ी ही दिखी, सूत्रों का मानना है की जांच टीम को भारी मात्रा में कोयले की कमी दिखी और गुणवत्ता विहीन कोयला दिखा।

मिलि जानकारी के अनुसार एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र की रेहर भूमिगत परियोजना के कोल स्टाक में भारी गड़बड़ी की शिकायत पर दो दिनों से कंपनी मुख्यालय से आई चार सदस्यीय विजिलेंस टीम द्वारा जांच की जा रही है इससे प्रबंधन में खलबली मच गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि करोड़ों रुपए लागत के कोयले की हेराफेरी की गई है। मामला एसईसीएल विश्रामपुर की रेहर भूमिगत परियोजना का है। संबंधित सूत्रों बताया कि एसईसीएल की भूमिगत परियोजना के कोल स्टाक में कोयले की भारी कमी को लेकर एसईसीएल मुख्यालय में शिकायत की गई थी। शिकायत में बताया गया खदान के कोयला स्टाक में कोयले की भारी कमी है। खान प्रबंधन द्वारा कोयले की गड़बड़ी की गई है। शिकायत में इस बात का भी उल्लेख किया गया था कि खान प्रबंधन द्वारा कोयला स्टक में कोयले की कमी को पूरा करने के लिए कोयला स्टाक में मलवा और सेल मिलाया जा रहा है। शिकायत की हकीकत जानने एसईसीएल मुख्यालय से पहुंची चार सदस्यीय विजिलेंस की टीम द्वारा गुरुवार से खदान में शिकायत की हकीकत जानने कोल स्टाक की नपाई का कार्य कराया जा रहा है। शुक्रवार को भी कोयला मेजरमेंट का कार्य जारी रहा।

विश्रामपुर क्षेत्र के रेहर खदान में कोल स्टॉक में गड़बड़ी का आरोप

खान प्रबंधक क्या कोयले की चोरी बता कर स्टॉक में कमी की वजह बताएंगे

वही खान प्रबंधक थाने में शिकायत दर्ज करा रहे है की रेहर भूमिगत खदान विश्रामपुर क्षेत्र एसईसीएल में कोयले की चोरी हो रही है शिकयात में खान प्रबंधक ने बतया की रेहर भूमिगत खदान विश्रामपुर क्षेत्र एसईसीएल भारत की उपनाम इकाई है, जिसमे प्रतिदिन तीन शिफ्ट में कोयले का उत्पादन होता है जो कि राष्ट्रीय सम्पत्ति है। खदान परिसर सुरक्षा निदेशालय भारत सरकार के अधीनस्त प्रतिबंधित क्षेत्र है। इसमें अनधिकृत का प्रवेश निषेध है रेहर भूमिगत खदान में विगत कई महीनों

एसईसीएल बिश्रामपुर के रेहर खदान कोल स्टॉप गड़बड़ी मामले में शिकायत के बावजूद अभी तक नहीं हुई जांच शुरू?

से चोरों के द्वारा खदान परिसर में घुस कर कोयला स्टॉक से एवं खदान से बेल्ट के द्वारा गिरते हुए कोयले को बंकर के पास से जबरन उठाकर बोरी में भरकर जाते है जिसमें उनकी संख्या लगभग 100 से ज्यादा होती है, जिनके द्वारा खदान परिसर के बाउंड्री बॉल को कई जगह से तोड़ कर एवं कन्सरटीना फैसिंग को काट कर अन्दर घुस जाते है जिसमे महिलाएं भी शामिल रहते हैं। फिर साईकिल, मोटर साईकिल ट्रैक्टर एवं पिकअप से कोयले का परिवहन कर रहे हैं। खदान से प्रतिदिन कई टन कोयला चोरी किया जा रहा है, हमारे सुरक्षा प्रहरियों द्वारा रोकने पर उन्हें मारने की धमकी देते हैं तथा गाली गलौज करते हैं, कई बार हाथापाई भी हुई है। अधिकांशत चोर मदिरा सेवन किये हुये रहते है जिस कारण उनका व्यवहार बहुत ही आक्रोशित रहता है और मारपीट करने को तैयार रहते हैं। इनके इस शिकायत पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं आखिर जब इतने बड़े मात्रा में कोयले की चोरी हो रही थी तो फिर स्टॉक इतना ज्यादा क्यों बताया जा रहा था, बाउंड्री वॉल एसईसीएल के द्वारा ही तोड़ा गया है यह वहां के लोगों का कहना है क्योंकि पत्थर मिलाने के लिए बाउंड्री वॉल तोड़ा गया था और जब इतने मात्रा में कोयले की चोरी हो रही थी तो फिर स्टॉक इनका कैसे बढ़ रहा था? एक बड़ा सवाल है की जब आज स्टॉक में कमी होने की बात आई तो उन्हें थाने में शिकायत दर्ज करने की याद आई। क्या अब पुलिस स्टॉक से चोरी हुए कोयले का पता करे खान प्रबंधक की कोई गलती नहीं है।

यह है मामला

एसईसीएल क्षेत्र में अक्सर कोयले में हेराफेरी का मामला सुनने को मिलता है कहीं ज्यादा तो कहीं कम कुछ साल पहले कोयले में बड़ी मात्रा में हेराफेरी को लेकर बिश्रामपुर क्षेत्र काफी चर्चित रहा था, जहां कई अधिकारियों को जेल की हवा भी खानी पड़ी थी, एक बार फिर बिश्रामपुर एससीसीएल क्षेत्र के रेहर खदान में बड़ी मात्रा में कोयला हेराफेरी का मामला फिर सामने आया है, जिसे लेकर मुख्य सतर्कता अधिकारी एसईसीएल बिलासपुर को शिकायत की गई थी और जल्द से जल्द जांच की मांग की गई थी, शिकायतकर्ता के अनुसार 8 हजार टन कोयला स्टॉक में होना बताया जा रहा है पर वास्तविक स्थिति में खदान के पास 8 हजार टन कोयला मौजूद दिख नहीं रहा, अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब प्रबंधन 8000 टन कोयला होना बता रही है तो आखिर यह कोयला कहां है, वही शिकायत के बाद इस प्रबंधन हरकत में है और जल्दी-जल्दी 8000 टन कोयले का स्टॉक बनाने में जुट गई थी, जिसके लिए मिट्टी से लेकर पत्थर तक मिलाने का कार्य प्रबंधन बड़ी तेजी से कराया गया था।

दस्तावेजों की चल रही है जांच

बता दें कि एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र कोयला साथ में गड़बड़ी को लेकर पूर्व में भी सुर्खियों में रहा है। करोड़ों रुपए की कोयला गड़बड़ी के मामले में पूर्व महाप्रबंधक से लेकर कई अधिकारी सीबीआई के शिकंजे में फंस कर जेल तक जा चुके हैं। फिलहाल एसईसीएल कागज में छह हजार टन कोल स्टाक एसईसीएल की रेहर कोयला खदान के कोल स्टाक में वर्तमान स्थिति में कंपनी के दस्तावेजों के मुताबिक छह हजार टन से अधिक कोयला मौजूद बताय गया था जो वह नहीं दिखा, विजिलेंस टीम द्वारा की गई जांच रिपोर्ट आने पर स्पष्ट हो सकेगा कि खदान के कोयला स्टाक में दस्तावेजों के मुताबिक कोयला स्टाक में है या नहीं? वहीं इस संबंध में संबंधित अधिकारी कुछ बता पाने में असमर्थता जाहिर कर रहे है।

चार सदस्यी टीम में यह थे शामिल

कंपनी मुख्यालय से यहां पहुंचे विजिलेंस विभाग के संजय दास, एसके निगम एवं प्रोडक्शन विभाग के वी आर पांडेय, चंदन शाह की टीम द्वारा कोयला साथ में गड़बड़ी की शिकायत की बारीकी से जांच की जा रही है। प्रारंभकि जांच में गड़बड़ी मिली अथवा नहीं, इस संबंध में पुष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। जांच अधिकारियों का कहना है कि शिकायत की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने पर कुछ बता पाना संभव होगा।

जांच टीम ने कोयले की गुणवत्ता के लिए सैंपल को भेजा लैब

कोयले के स्टाक को पूरा दिखाने के लिए मिट्टी व पत्थर बड़े मात्रा में मिलाया गया था जिसे लेकर जांच में आए टीम ने कोयले की गुणवत्ता की जांच कराने के लिए कोयले का सैंपल लिया और उसे स्थानीय लैब में जांच कराने के बाद अपने साथ मुख्यालय भी ले गए, उन्होंने गुणवत्ता कोयले की कैसी है लैब की जांच में क्या पाया गया यह सभी तथ्यों पर बात करने से बचते दिखे वजह जो भी हो पर गुणवत्ता तो कोयले में ख़राब है जो साफ दिख रही है अब जांच दल की रिपोर्ट क्या कहती है यह बड़ा सवाल है।

बस की टक्कर से दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 16 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। शनिवार को ग्राम पंचायत धरतीपारा के समीप यादव ढाबा के पास बस की टक्कर से दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए आनन-फानन में भटगांव बीएमओ से संपर्क करने पर उनके पास एंबुलेंस का ना होना बताया गया इसके बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। आनन-फानन में हाट बाजार की गाड़ी से प्रतापपुर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया और इसकी सूचना जिला पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी शिव भजन मरावी को दी गई ।सूचना पाकर शिव भजन मरावी तत्काल अस्पताल पहुंचे दोनों गंभीर मरीजों को तत्काल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन मरावी देर रात 2:00 बजे तक अंबिकापुर जिला चिकित्सालय में डटे रहे।एक मरीज को आईसीयू से रायपुर रिफर कर दिया गया। परिजनों को ढांढस दिलाते रहे जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मरीजों की सहायता करने के लिए हर समय तत्पर रहते है।ग्रामीणों ने जिला पंचायत अध्यक्ष शिव भजन मरावी से भटगांव बीएमओ की शिकायत की उनके द्वारा ना फोन उठाया जाता है नहीं किसी प्रकार के एंबुलेंस की सुविधा है जिस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा इसकी जांच करवा कर कार्यवाही की जाएगी अगर एंबुलेंस नहीं है तो जिले में सूचना दें अपने उच्च अधिकारियों को व्यवस्था बनाया जाएगा। इस दौरान कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष कुंदन मिश्रा देवीदयाल पटेल त्रिभुवन सिंह टेकाम सुखलाल सरपंच लालू खान एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

बी.टी.सी.प्रशिक्षण के नाम पर ठेका श्रमिकों का हो रहा है,शोषण

» प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे श्रमिको से कोयला खदानों में कराया जा रहा कार्य

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 16 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम मिनी रत्न कंपनी अंतरराष्ट्रीय एसए से मान्यता प्राप्त क्षेत्र में कोयला उत्खनन कर रही एसइसीएल कंपनी सारे नियमों को ताक में रखकर कर कार्य कर रही है वहीं उक्त कंपनी में पदस्थ अधिकारियों की भी मनमानी चरम पर है, कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा उत्खनन एवं उसके परिपेक्ष्य में लागू होने वाले डीजीएमएस के सारे नियम कानून को ताक में रखकर सामाजिक जवाबदेहीता नीति का मखौल उड़ा रही है।

उल्लेखनीय है कि कोयला कंपनी के द्वारा खदान के अंडर ग्राउंड खदानों और खुली खदानों में स्वयं के एवं ठेका श्रमिकों से कार्य कराने के पूर्व उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए करने के लिए एक प्रशिक्षण की छः दिवसीय कार्यशाला लगाई जाती है जिसे बीटीसी का नाम दिया गया है जिसमें उत्खनन से संबंधित विशेष कार्य को करने के लिए अपेक्षित कौशल ज्ञान आदि से संबंधित व्यवसायिक ट्रेनिंग का कार्य एसईसीएल के द्वारा हल्दीबाड़ी के सड़क दफाई के पास पुराने जी एम ऑफिस में किया जाता है, जहां पर प्रशिक्षण के नाम पर श्रमिकों का प्रशिक्षकों एवं एसईसीएल के अधिकारियों के द्वारा शोषण किया जा रहा है और बिन किसी सुरक्षा उपकरणों के वहां के जिम्मेदार प्रशिक्षकों के द्वारा कोयला कंपनी के खुली और अंडर ग्राउंड खदानों में ले जाकर उनसे 8 से 12 घंटे तक उत्खनन सहित अन्य कार्य लगातार कार्य कराए जा रहे हैं, कौशल व्यवसायिक ज्ञान देने वाले प्रशिक्षक और उत्खनन से संबंधित अधिकारियों से सांठगांठ कर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे श्रमिकों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है उनके द्वारा 6 दिन के प्रशिक्षण कार्य को महीनों तक खींचा जाता है और इन मजबूर और

लाचार मजदूरों से जबरदस्ती बिना कुछ राशि भुगतान किए प्रशिक्षण के नाम पर महीनों उन्हें खदान के बाहर और अंदर कार्य कराए जा रहे हैं जिसको लेकर गरीब मजबूर मजदूरों और उनके परिजनों में काफी आक्रोश व्याप्त है। सनद रहे कि नगरीय निकाय क्षेत्र में राज्य और केंद्र सरकार द्वारा इन श्रमिकों के रोजगार देने की कोई योजना नहीं है ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं जिनका लाभ उस स्तर के श्रमिकों को सीधा मिलता है लेकिन नगरी निकाय क्षेत्र में मनरेगा लागू नहीं होता जिस कारण यहां पर काफी संख्या में युवा बेरोजगार हैं जिनका बीटीसी के नाम पर एसईसीएल प्रबंधन शोषण कर रहा है।

बीटीसी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मजदूरों ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सुबह 8:00 बजे हम सभी मजदूरों को बुलाकर पूरे चिरिमिरी इलाके में चल रही खुली और अंडर ग्राउंड खदानों में भेजा जाता है और प्रशिक्षण के नाम पर उत्खनन अधिकारियों द्वारा उनसे अपने निजी कार्य सहित कोयला खदानों के विभिन्न कार्य को कराया जाता है बताया यह भी जाता है कि ठेकेदारों से मिलजुल कर जो कार्य इन मजदूरों से कराए जाते हैं उनका भुगतान ठेकेदारों के अन्य चहेते मजदूरों के खातों में किया जा रहा है, इस तरह से बी टी सी के प्रशिक्षक, कोयला कंपनी के उत्खनन अधिकारी एवं ठेकेदारों तीनों के मेलजोल से कंपनी से लाखों रुपए की फर्जी निकासी की जा रही है, यह खेल चिरमिरी क्षेत्र में काफी लंबे समय से खेला जा रहा है जिसकी विभागीय जांच के अलावा विजिलेंस की जांच की भी जरूरत है पूरे गंभीर प्रकरण की शिकायत जल्द ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित कंपनी के आला अधिकारियों से भी की जा रही है।

बेस कैम्प नमना में हुए चोरी का चौकी उमेश्वरपुर पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 16 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

बीते शुक्रवार को ग्राम नमना निवासी रामगुलाम यादव ने चौकी उमेश्वरपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह विजय निर्माण कंपनी व ईबीपीएल कंपनी प्रा.लि. के बेस कैम्प ग्राम नमना में प्राईवेट सुरक्षा गार्ड है, 14 जुलाई के रात्रि में तेज बारीश हो रही थी सुबह 5 बजे बेस कैम्प तरफ गया तो देखा कि कन्टेनर रूम से पंखा, ट्यूब लाईट, व्हील चेयर, हाईलोजन बल्ब को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 380, 457 के तहत मामला पंजीबद्व किया गया।

चोरी की घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने चौकी प्रभारी को अज्ञात चोर की पतासाजी करते हुए जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर व एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी के मार्गदर्शन में चौकी उमेश्वरपुर की पुलिस चोरों की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि नमना गांव के 2 व्यक्ति कुछ सामान कहीं से लेकर आए है और बिक्री करने की बात कह रहे है। सूचना पर पुलिस ने संदेही ग्राम नमना निवासी रामप्रसाद पिता स्व. हेमसाय प्रजापति उम्र 38 वर्ष एवं दीपेन्द्र कुमार पिता स्व. चक्रधर तिवारी उम्र 21 वर्ष को पकड़ा। पूछताछ पर दोनों ने बेस कैम्प ग्राम नमना में चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों के निशानदेही पर 4 नग पंखा, 2 नग ट्यूब लाईट, 2 नग व्हीलचेयर, 1 नग बड़ा हाईलोजन बल्ब कुल कीमती 30 हजार रूपये का बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी उमेश्वरपुर देवनाथ चौधरी, प्रधान आरक्षक कपिल सिंह, विनोद सिंह, आरक्षक विक्रम सिंह, राकेश सिंह, सुरेन्द्र सिंह व शिवशंकर सिंह सक्रिय रहे।

4 किलो गांजा सहित 1 गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 16 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू के निर्देश के बाद अवैध कारोबार करने वालों पर पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी है। बीते दिन पुलिस अधीक्षक ने एसडीओपी की मीटिंग लेते हुए नशे के अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही में शिथिलता बर्दाश्त नहीं करने संबंधी के कड़े निर्देश दिए थे। इसी क्रम में शुक्रवार, 15 जुलाई को कोतवाली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति गांजा लेकर बिक्री करने के लिए देवनगर के पांडेपारा में ग्राहक की तलाश कर रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर व एसडीओपी सूरजपुर गीता वाघवानी के मार्गदर्शन में शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने ग्राम देवनगर पाण्डेपारा में घेराबंदी कर सुखलाल प्रजापति पिता स्व. नान्ह राम उम्र 50 वर्ष निवासी देवनगर, थाना सूरजपुर को पकड़ा जिसके कब्जे से 4 किलो मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया। जप्त गांजा की बाजारू कीमत करीब 80 हजार रूपये है। मामले में धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही थाना प्रभारी सूरजपुर प्रकाश राठौर, एसआई सुनीता भारद्धाज, गजपति मिर्रे, प्रधान आरक्षक मोहम्मद तालीब शेख, आरक्षक रामकुमार नायक, लक्ष्मी नारायण मिर्रे व सत्यम सिंह सक्रिय रहे।

शहर के भीतर दिखा भालुओं का झुंड

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 16 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

नवीन घोषित जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ के शहर के वार्ड क्रमांक 16 टीवी टावर रोड सोसायटी के सामने भालुओं का झुंड विचरण कर रहे थे जिन्हें देखकर कुत्ते भौंक रहे थे कि इसी दौरान सोसायटी में रहने वाले एक व्यक्ति ने बाहर निकल कर कुत्ते की भौंकने की वजह जानी चाहिए तो देखा कि भालू विचरण कर रहे हैं जिसका वह भालू से बचते हुए अपने मोबाइल में वीडियो बना लिया जो वीडियो आज वयरल हो गया । वीडियो में देखा जा सकता है कि एक से ज्यादा भालू उक्त झुंड में हैं और निश्चिन्त होकर वह विचरण कर रहें हैं। शहर के भीतर विचरण कर रहे भालुओं द्धारा फिलहाल किसी को घायल किया गया है ऐसी कोई खबर तो सामने नहीं आई है लेकिन वह किसी को नुकसान भी पहुंचा सकते थे यह बात कही जा सकती है। भालुओं के शहर में विचरण को लेकर यह भी कहना गलत नहीं होगा कि वन विभाग अपना काम सही ढंग से नहीं कर रहा है और वह जंगली जानवरों को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। हाल फिलहाल में कई जंगली जानवरों द्वारा जहां जनहानि, जनक्षति की घटना को अंजाम दिया गया है वहीं कई जंगली जानवरों को भी क्षति पहुंचाई गई ऐसी भी खबरें सामने आई थीं, अब वन विभाग क्या केवल मुआवजा वितरण या जंगली जानवरों के अंतिम संस्कार के लिए ही बनाया गया शासकीय विभाग है या अधिक से अधिक निर्माण कार्य करने तक ही उनका दायित्व सीमित है यह सवाल उठ रहा है।। जंगली जानवरों के विचरण पर विभाग को नजर बनाए रखना है और उनकी गतिविधियों सहित उनके हमलों से जहां जनता को सुरक्षा प्रदान करना है वहीं उन्हें जंगली जानवरों की भी जान की सुरक्षा करना है लेकिन विभाग दोनों काम छोड़कर हर काम कर रहा है यह देखा जा रहा है।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 202207021700044 /अ-21/2021-22

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुमन गुप्ता पति शिवकुमार गुप्ता, निवासी म0न0 40, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम नर्बदापारा स्थित व्यपवर्तित भूमि खसरा नंबर 320/6 रकबा 0.051 हे0 भूमि मकान बनाने तथा अपनी पुत्रियों की शिक्षा हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका मेनका जायसवाल पति रामप्रकाश जायसवाल निवासी म0न0 77 ग्राम असोला तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 को रू 3,00,000/-(तीन लाख रूपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17/08/2022 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नायब तहसीलदार** अम्बिकापुर-02

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्रं0 /अ-2/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तिजारो देवी पत्नी जमुना साय जाति तेली निवासी ग्राम/नगर घुटरापारा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवंअधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम मायापुर तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 205/10 रकबा 0.012 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,नक्शा, खसरा ले-आउट भूमि उपयोगिता प्रमाण-पत्र, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 29/07/2022 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **अनुविभागीय अधिकारी (रा)** अम्बिकापुर

सिंगापुर ओपन के फाइनल में पहुंची पीवी सिंधू

सिंगापुर ,16 जुलाई 2022। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शनिवार को यहां महिला एकल सेमीफाइनल में जापान की निचली रैंकिंग पर काबिज साएना कावाकामी पर शानदार जीत से सिंगापुर ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने इस साल सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय और स्विस ओपन में दो सुपर 300 खिताब अपने नाम किये हैं। उन्होंने 32 मिनट तक चले सेमीफाइनल में दुनिया की 38वें नंबर की कावाकामी पर 21-15 21-7 से जीत दर्ज की।

खराब फॉर्म से जूझ रहे विराट कोहली ने तोड़ी चुप्पी

ट्वीट के जरिए आलोचकों को दिया करारा जवाब, विराट कोहली ने जो तस्वीर साझा की है उसमें लिखा हुआ है क्या हुआ अगर जो मैं गिर गया। इसके साथ ही उस तस्वीर में नीचे लिखा हुआ है क्या हुआ अगर जो तुम उड़ने लगे। माना जा रहा है कि कहीं ना कहीं विराट कोहली ने इससे अपने आलोचकों को जवाब देने की कोशिश की है।

नई दिल्ली,16 जुलाई 2022। भारत के पूर्व कप्तान और जबरदस्त खिलाड़ी के तौर पर अपनी अलग पहचान बना चुके विराट कोहली फिलहाल खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। विराट कोहली के फैन को पिछले 3 सालों से उनके एक शतक का इंतजार है। फिलहाल यह इतजार लगातार बढ़ता जा रहा है। 17 जुलाई को भारत और इंग्लैंड के बीच आखरी एकदिवसीय मुकाबला खेला जाएगा। इसके बाद विराट कोहली लंबी छुट्टी पर जा रहे हैं। विराट कोहली के फैंस को इस बात की उम्मीद है कि इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी एकदिवसीय मुकाबले में इस स्टार खिलाड़ी का बल्ला चलेगा। हालांकि, खराब फॉर्म में होने की वजह से विराट कोहली को आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ रहा है। इन सबके बीच विराट कोहली ने आज एक ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में विराट कोहली ने लिखा है ÷पर्सपेक्टिव÷ जिसका मतलब होता है परिप्रेक्ष्य यानी कि किसी चीज को देखने का नजरिया। इसके साथ ही विराट कोहली ने जो तस्वीर साझा की है उसमें लिखा हुआ है क्या हुआ अगर जो मैं गिर गया। इसके साथ ही उस तस्वीर में नीचे लिखा हुआ है क्या हुआ अगर जो तुम उड़ने लगे। माना जा रहा है कि कहीं ना कहीं विराट कोहली ने इससे अपने आलोचकों को जवाब देने की कोशिश की है।

आपको बता दें कि विराट कोहली लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। पिछली पांच पारियों की बात करें तो वह एक बार भी 20 रन से ज्यादा नहीं बना सके हैं। विराट कोहली की तकनीक पर भी सवाल उठाए जाने लगे हैं। भारत के दिग्गज खिलाड़ी कपिल देव ने तो उनके टीम इंडिया में जगह पर भी सवाल खड़े कर दिए थे। हालांकि, विश्व के कई दिग्गज खिलाड़ी भी विराट कोहली का समर्थन कर रहे हैं। कुछ दिन पहले ही पाक कप्तान बाबर आजम ने भी विराट कोहली का समर्थन किया था। इससे पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने भी विराट कोहली का समर्थन किया था। रोहित ने कहा था कि उसने इतने लंबे समय तक इतने सारे मैच खेले हैं। वह इतना महान बल्लेबाज है और उसे किसी तरह के आश्वासन की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि मैने पहले भी कहा है कि फॉर्म ऊपर नीचे होता रहता है। यह हर क्रिकेटर के साथ होता है। महानतम क्रिकेटरों के कैरियर में भी उतार चढाव आये हैं। पिछले दो-तीन सालों की बात करें तो कोहली के बल्ले से एक भी शतक नहीं आया है। 2020 से लेकर अब तक उन्होंने 18 टेस्ट मुकाबले खेले हैं और महज 27.25 के औसत से 872 रन बनाए। वनडे में भी 18 मुकाबलों में उन्होंने 702 रन बनाए हैं और औसत 39 का रहा है। ञ्20 में उनके आंकड़े बेहतर जरूर हैं लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं। 24 टी-20 मुकाबलों में उन्होंने 42 की औसत से 675 रन बनाए।

खुद को नये अंदाज में पेश करने का तरीका ढूंढ लिया चहल ने:ब्रैड हॉग

मुंबई ,16 जुलाई 2022। आस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर ब्रैड हॉग को लगता है कि दो वर्षों पहले तक बल्लेबाज युजवेंद्र चहल की गेंदबाजी का अंदाजा लगाने लगे थे लेकिन इस गेंदबाज ने जिस तरह से अपने कौशल में सुधार किया है, उसका श्रेय उन्हें जाता है।

चहल अगले हफ्ते 32 साल के हो जायेंगे, उन्हें पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में हुए टी20 विश्व कप के दौरान टीम से बाहर कर दिया गया था और तब से उन्होंने दोनों प्रारूपों में 20 सफेद गेंद के मैच खेले हैं और 26 विकेट चटकाये हैं।

हॉग के अनुसार चहल टी20 विश्व कप में भारतीय अभियान में अहम भूमिका अदा करेंगे जिसका आयोजन इस साल के अंत में आस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में किया जायेगा।

हॉग ने 'वेस्टर्न आस्ट्रेलिया' पर्यटन कार्यक्रम के इतर यहां पत्रकारों से कहा, ''पिछले दो साल या दो साल के अंदर

उनका विकास देखकर लग रहा है कि आस्ट्रेलिया (टी20 विश्व कप) में उसका प्रदर्शन बेहतर रहेगा। '' लेकिन हॉग वास्तव में इस बात से प्रभावित हैं कि चहल ने ''पिछले दो वर्षों में अपने खेल को किस तरह से अनुकूलित' किया है।

उन्होंने कहा, ''उसने (चहल) बतौर खिलाड़ी काफी सुधार किया है, यही कारण है कि भारत प्रबल दावेदारों में शुमार है। '' आस्ट्रेलिया के लिये बायें हाथ के कलाई के स्पिनर के तौर पर 123 वनडे खेलने वाले हॉग का मानना है कि चहल आगामी टी20 विवश् कप में मध्य ओवरों में अंतर पैदा कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि टी20 क्रिकेट में लेग-स्पिन संभवत~ सबसे प्रभावी विकल्प है, विशेषकर मध्य के ओवरों में। और मुझे चहल के बारे में जो चीज पसंद है कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ के साथ तैयार रहता है। ''

सूर्यकुमार यादव ने हाल में टी20 अंतरराष्ट्रीय में इंग्लैंड के खिलाफ 55 गेंद में 117 रन की पारी खेलकर विश्व क्रिकेट में तहलका मचाया और हॉग को लगता है कि वह खतरनाक बल्लेबाज हो सकते हैं जिनके पास कई तरह के स्ट्रोक्स हैं।

उन्होंने कहा, ''सूर्यकुमार शीर्ष ऋम में बल्लेबाजी करेंगे। वह शायद सबसे खतरनाक बल्लेबाज हैं। उन्हें गेंदबाजी करना मुश्किल है क्योंकि वह विभिन्न क्षेत्रों में रन जुटाते हैं। ''

हॉग ने कहा, ''अगर वह और (ऋषभ) पंत क्रीज पर हैं तो उन्हें आउट करने की योजना बनाना काफी मुश्किल है।

स्टोक्स को दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला में आराम

लंदन ,16 जुलाई 2022। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को टीम के कार्यभार प्रबंधन के अंतर्गत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी20 श्रृंखला में आराम दिया गया है। भारत के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला में खेल रहे स्टोक्स 19 जुलाई से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 ओवर के मैचों में भी खेलेंगे जिसके बाद उन्हें 27 जुलाई से शुरू हो रही टी20 श्रृंखला में आराम दिया जायेगा।इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''इंग्लैंड पुरूष टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स के कार्यभार और फिटनेस प्रबंधन के लिये वह वाइटैलिटी टी20 सीरीज और 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे जो अगले महीने शुरू होंगे।

इंग्लिश काउंटी केंट के लिये आठ मैच खेलेंगे नवदीप सैनी

केंट काउंटी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा ,''केंट क्रिकेट को तीन काउंटी चैम्पियनशिप मैचों और पांच रॉयल लंदन कप मैचों के लिये भारत के अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी के साथ करार की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।''

केंट ,16 जुलाई 2022। भारत के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी इंग्लिश काउंटी टीम केंट के लिये मौजूदा सत्र में आठ मैच खेलेंगे। सैनी इस काउंटी के लिये खेलने वाले राहुल द्रविड़ के बाद भारत के दूसरे टेस्ट क्रिकेटर होंगे। वह 96 नंबर की शर्ट पहनेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने की शुरूआत में बर्मिंघम टेस्ट से पहले वह भारतीय टीम के साथ नेट गेंदबाज के जौर पर थे।केंट काउंटी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा ,'' केंट क्रिकेट को तीन काउंटी चैम्पियनशिप मैचों और पांच रॉयल लंदन कप मैचों के लिये भारत के अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी के साथ करार की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।'' सैनी भारत के लिये तीनों प्रारूप खेल चुके हैं। उन्होंने अगस्त 2019 में पदार्पण किया था।

शाहरुख खान की 200 करोड़ी फिल्म में कैमियो करते नजर आ सकता है साउथ सुपर स्टार विजय

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी जवान के लिए कमर कस रहे हैं। मूवी जवान में शाहरुख खान एक्शन अवतार में दिखाई देने वाले है। डायरेक्टर एटली ने अपनी मूवी जवान का टीजर कुछ दिनों पहले ही रिलीज कर दिया गया था, जिसे देखकर यही कहा जा सकता है कि वो शाहरुख खान के फैंस को एक बार फिर से उनका डॉन वाला अवतार देखने के लिए मिलने वाला है। मूवी जवान की खास बात यह है कि इसमें साउथ के भी कई कलाकार दिखाई देने वाले है, जिनकी कास्टिंग पर निरंतर काम चल रहा है। एटली साउथ के मंझे हुए कलाकारों को साइन करने में जुटे हुए हैं, ताकि मूवी जवान को पैन इंडिया रिलीज मिलने में कोई परेशानी न हो। यदि ताजा रिपोर्ट की माने तो मूवी जवान में साउथ के जाने-माने एक्शन स्टार थलापति विजय कैमियो करते नजर आ रहे है। थलापति विजय और शाहरुख खान बहुत अच्छे मित्र हैं। कई अवॉर्ड फंक्शन्स में शाहरुख खान और थलापति विजय ने स्टेज पर साथ डांस भी करते हुए दिखाई दिए है। साउथ के दर्शकों को इन दोनों की जोड़ी काफी पसंद है, ऐसे में देखना दिलचस्प होने वाला है कि ये दोनों स्टार जब साथ आएंगे तो थिएटर्स में कितना बड़ा धमाका होगा? अगर शाहरुख खान के करियर की बात करें तो जवान के साथ-साथ शाहरुख खान के पास पठान और डंकी जैसी मूवीज हैं, जिनमें वो अदाकारी करते दिखाई देने वाले है। इन दोनों के साथ-साथ किंग खान रणबीर कपूर की ब्रह्मास्त्र और सलमान खान की टाइगर 3 में भी नजर आ सकते है। खबरों का कहना है कि ब्रह्मास्त्र और टाइगर 3 में शाहरुख खान कैमियो करते नजर आने वाले है। इन दोनों फिल्मों के निर्माता आदित्य चोपड़ा और करण जौहर शाहरुख खान के बहुत अच्छे दोस्त हैं, जिस कारण किंग खान इनमें कैमियो करने के लिए तैयार हो चुके है।

इंटरनेट पर छाई गुम है...सीरियल की सई

टीवी के मशहूर सीरियल गुम है किसी के प्यार में में सई का किरदार निभाने वाले वाली आयशा सिंह की नई फोटोज सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही हैं। इन फोटोज में आयशा मतलब कि आपकी प्यारी सई ने लहंगे के साथ ऐसी चोली पहनी हुई है कि लोगों की नजरें उनके डीपनेक पर जाकर अटक रही है। इन फोटोज में सई ना सिर्फ किलर लुक्स देती हुई दिखाई दे रही हैं बल्कि अपने हुस्न का ऐसा जलवा बिखेर रही है कि फोटोज देख प्रशंसक अनियंत्रित हो रहे हैं।

वही नई फोटोज में सई बिना दुपट्टे के लहंगा चोली पहने हुई दिखाई दे रही हैं। फोटोज में अभिनेत्री बेहद लाइट कलर का व्हाइट एवं ब्लू कॉम्बिनेशन में लहंगा पहनी हैं। इसके साथ ही गोल्डन कलर के

सीक्वेंस वर्क में चोली पहनी हुई है। कुछ फोटोज में अभिनेत्री चोली को कंधे पर डालकर पोज देती दिखाई दी तो किसी फोटोज में बिना दुपट्टे के किलर लुक्स देती नजर आई। वही इस लहंगे के साथ सई ने गोल्डन की जो चोली पहनी हुई है उसका डीपनेक सभी का ध्यान खींच रहा है। विशेष बात है कि चोली के साथ सई ब्रालेस लुक में दिखाई दी। जिसके कारण अभिनेत्री का ये अंदाज सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है। सई ने ये फोटोशूट फिटविला टेली जुलाई, 2022 के कवरपेज के लिए करवाया है। इस फोटोशूट में सई सीरियल में दिखाई देने वाले अपने लुक से एकदम अलग एवं बोल्ड अवतार में नजर आई। अभिनेत्री ने इस फोटोशूट की फोटोज अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की है। इन फोटोज को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर जैसे ही साझा किया तो ये देखते ही देखते वायरल हो गई। इन फोटोज पर अभिनेत्री के प्रशंसक उनकी प्रशंसा कर रहे हैं तथा निरंतर कमेंट भी कर रहे।

सीता रामम पर काम करने से मुझे एक नई भाषा समझने में मदद मिली: मृणाल ठाकुर

दक्षिण भारतीय सिनेमा में दुलारे सलमान के साथ हनु राघवपुडी की सीता रामम से डेब्यू कर रही अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का कहना है कि फिल्म में काम करने से उन्हें एक नई भाषा सीखने और समझने में मदद मिली है।

मृणाल, जो तेलुगु या तमिल नहीं जानती हैं, का कहना है कि सेट पर भाषा के अनुकूल होने में उन्हें चार से पांच दिन लगे। मृणाल कहती हैं, मुझे यह एक घटना याद है जहां टीम हैदराबाद में मिली थी, मैं मराठी पृष्ठभूमि से आती हूं और दुलकर मलयालम बोलता है, हनु सर तेलुगु बोलता है और बृंदा मास्टर तमिल बोलतें है।तो, हम अपनी भाषाओं में एक-दूसरे के साथ बातचीत करेंगे। और सबसे अच्छी बात यह थी कि हम एक-दूसरे को समझने में सक्षम थे। यह वास्तव में मजेदार था। कई बार, हनु सर मुझे तेलुगु में दृश्य समझाना शुरू कर देते थे और मैं उसे हिंदी या अंग्रेजी में बोलने के लिए कहती थी, लेकिन यह प्रक्रिया अब तक की सबसे अच्छी बात है क्योंकि इससे मुझे एक नई भाषा सीखने और समझने में मदद मिली।

मृणाल का कहना है कि, पहले चार-पांच दिनों के बाद भाषा की कोई समस्या नहीं थी और यह सब बढ़िया था। वह मुस्कराहट के साथ कहती हैं, मैंने सेट पर सभी से कहा कि मुझसे केवल तेलुगू में बात करें ताकि मैं जल्दी से ढल जाऊं।मृणाल जल्द ही फिल्म के लिए डबिंग शुरू करेंगी।

फिल्म में अपने चरित्र सीता के बारे में बात करते हुए, मृणाल कहती हैं, यह वह चरित्र है जिसे हर कोई पहली बार बड़े पर्दे पर निभाएगा। चरित्र अलग है, वह निराशाजनक रूप से रोमांटिक है और राम के प्यार में पागल हो जाती है।

जयम रवि ने पोन्नियिन सेलवन में राजा चोल की भूमिका के लिए मणिरत्नम को दिया धन्यवाद

निर्देशक मणिरत्नम की बहुप्रतीक्षित कृति पोन्नियिन सेलवन में राजकुमार अरुल मोझी वर्मन की भूमिका निभाने वाले अभिनेता जयम रवि ने अपनी भूमिका को लेकर निर्देशक मणिरत्नम का धन्यवाद दिया है।

लाइका प्रोडक्शंस और मद्रास टॉकीज ने पोन्नियिन सेलवन के रूप में फिल्म में अपना पहला लुक ट्वीट करने के तुरंत बाद ट्विटर पर लेते हुए, जयम रवि ने अपनी टाइमलाइन पर तस्वीर को ट्वीट करते हुए तमिल में लिखा, तमिलों का गौरव, चोलों का इतिहास, और इसमें जैसा कि अरुल मोझी वर्मन। धन्यवाद मणिरत्नम सर। इससे पहले दिन में, लाइका प्रोडक्शंस और मद्रास टॉकीज ने जयम रवि के फर्स्ट लुक पोस्टर को ट्वीट किया और कहा, स्वर्ण युग के वास्तुकार, महान राजा राजा चोलेन, पोन्नियिन सेलवन का परिचय दे रहे हैं!इससे पहले भी कई सारे लुक सामने आ चुके हैं जिसमें अभिनेता और अभिनेत्रियों की अलग अलग भूमिका है।

फिल्म का टीजर शुक्रवार शाम को लॉन्च होने वाला है, इस बात की प्रोडक्शन हाउस ने घोषणा की है। फिल्म जिसका पहला भाग इस साल 30 सितंबर को रिलीज होगा, पांच भाषाओं- तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी।

प्रख्यात लेखक कल्कि के क्लासिक तमिल उपन्यास पोन्नियिन सेलवन पर आधारित, यह फिल्म राजकुमार अरुलमोझी वर्मन की कहानी बताएगी, जो बाद में महान राजा राजा चोल के रूप में जाने गए।

सैयामी के लिए फाडू में काम करना कई मायनों में सीखने लायक था

बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर जल्द ही अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित ओटीटी सीरीज फाडू में नजर आएंगी। उन्होंने साझा किया कि सीरीज में काम करने से एक अभिनेत्री के रूप में उनके कौशल के भंडार में बहुत कुछ जुड़ गया है। सैयामी कहती हैं, फाडू जैसी सीरीज में काम करने से एक अभिनेता के लिए न केवल पर्दे पर एक कलाकार के रूप में, बल्कि एक इंसान के रूप में भी क्षितिज को व्यापक बनाने में मदद मिल सकती है। सिनेमाई कला और संस्कृति में सराबोर इस फिल्म ने निश्चित रूप से मुझे अभिनय के शिल्प को बेहतर बनाने के अलावा और भी बहुत कुछ सीखने में मदद की।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि वह हमेशा अश्विनी के साथ काम करने की इच्छा रखती थीं, जो सोनी लिव की सीरीज के साथ अपने डिजिटल निर्देशन की शुरुआत करती है।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा अश्विनी अय्यर तिवारी जैसे निर्देशक के साथ काम करना चाहती थी, जिसमें फिल्म निर्माण और ध्यान केंद्रित करने की उनकी एक सीमा थी। इस अवसर के लिए बहुत आभारी हूं और मैं यह सुनिश्चित करने जा रही हूं कि मैं इसके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ काम करूंगी।

फाडू में थप्पड़ के अभिनेता पावेल गुलाटी भी हैं। इसमें दो अलग-अलग सोच वाले पात्रों के बीच गहन काव्यात्मक प्रेम की कहानी है। यह सीरीज जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनीलिव पर रिलीज होगी।

CMYK

प्रदेश कांग्रेस की बैठक

विधानसभा चुनाव...भारत जोड़ो यात्रा...समेत कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

ईडी को लेकर 21 तारीख को फिर बड़ा प्रदर्शन करेंगे नेता

रायपुर, 16 जुलाई 2022। राजीव भवन में कांग्रेस प्रदेश पदाधिकारी और जिला अध्यक्षों की बैठक हुई. ये बैठक प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया और पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम के नेतृत्व में हुई. मीटिंग में सीएम भूपेश बघेल, मंत्री उमेश पटेल भी मौजूद रहे. आज की बैठक में सत्ता संगठन के तालमेल पर चर्चा की गई. साथ ही 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा हुई. इस बैठक में पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों को टिप्स भी दी गई. अगस्त महीने में होने वाले 90 विधानसभा में पदयात्रा की भी रणनीति बनी.

बैठक के बाद पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने बताया कि केंद्र में बैठी भाजपा की सरकार केंद्रीय एजेंसियों का गलत उपयोग कर रही है. अभी लोकसभा की शुरुआत होने वाली है. जिसमें भाजपा हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद को सदन की कार्यवाही में भाग नहीं लेने देना चाहती. उन्होंने बताया कि 21 तारीख को श्वष्ठ ने फिर बुलावा भेजा है. जिसको लेकर प्रदेश मुख्यालय में धरना दिया जाएगा. फिर जिला स्तरीय धरना दिया जाएगा. सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग को बंद करें ये हमारी मांग है.

मरकाम ने कहा कि लगातार बैठकों के माध्यम से मिशन 2023-24 की तैयारियां की जा रही है, जो कमियां हैं उन कमियों को दूर किया जा रहा है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रभारी पीएल पुनिया भी लगातार मार्गदर्शन दे रहे हैं. जिसके आधार पर संगठन आगे काम कर रहा है. उन्होंने कहा कि 9 अगस्त से भारत जोड़ो अभियान के तहत हर विधानसभा में 75 किलोमीटर की पदयात्रा करेंगे. इस दौरान आजादी में कांग्रेस का क्या योगदान रहा है और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार के दौरान क्या-क्या काम किए हैं, क्या-क्या उपलब्धियां रही है इनका भी प्रचार-प्रसार किया जाएगा.

ईडी की पूछताछ का करेंगे विरोध

वहीं प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया ने बताया कि ये महत्वपूर्ण बैठक थी. जिसमें प्रदेश कार्यकारिणी और जिला अध्यक्ष शामिल हुए थे. प्रदेश अध्यक्ष के अलावा मुख्यमंत्री ने भी भाग लिया और अपने विचार रखे. इस दौरान जो भी पदाधिकारी और सदस्य इस दौरान मौजूद रहे उन्होंने भी अपनी बातें रखी. इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर भी जमकर प्रहार किया और कहा राजनीतिक द्वेष के चलते केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है. पहले राहुल गांधी से पूछताछ की गई और अब राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी तलब किया गया है. इसी के विरोध में 21 तारीख को श्वष्ठ ऑफिस के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा और 22 तारीख को हर जिला मुख्यालय में धरना दिया जाएगा.

राहुल होंगे यात्रा में शामिल

14 तारीख को AICC में बैठक हुई थी जिसमें उन्होंने प्रारंभिक रूप रेखा का खुलासा किया था. उसमें केवल 12 प्रदेश को ही शामिल किया गया है. भारत जोड़ो यात्रा में जो कि लगभग साढे 3 हजार किलोमीटर लंबी दूरी तय की जाएगी, ये यात्रा 148 दिनों तक चलेगी. जिसमें राहुल गांधी अधिकांश यात्रा में शामिल होंगे।

व्हाट्सएप ग्रुप में कामचोर लिखने से भड़के शिक्षक,थाने में की एफआईआर की मांग

मुंगेली, 16 जुलाई 2022। व्हाट्सएप ग्रुप में शिक्षकों को लेकर की गई आपत्तिजनक कमेंट्स पर विकासखंड के सभी शिक्षक संगठन लामबंद हो गए हैं. शुक्रवार को शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों ने बीआरसी के पास स्थित साहू समाज के भवन में बैठक की और विभिन्न मामलों में चर्चा की. चर्चा के मुख्य बिंदु के रूप में शिक्षकों पर हो रहे अनुचित टीका टिप्पणी रहा, जिसका विरोध करने की रणनीति बनाई गई. बैठक में अपनी बात रखते हुए सयुक्त शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मोहन लहरी ने कहा कि शिक्षकों को अपमानित करने की साजिश के तहत कुछ तथाकथित शिक्षाविदों ने शिक्षकों के खिलाफ आपत्तिजनक व्यक्तव्य देना शुरू कर दिया है. जिस पर हमारे शिक्षा विभाग के अधिकारी भी मौन रहते हैं, जो स्वीकार्य नहीं है. हम इसका जोरदार विरोध करेंगे. बैठक में शिक्षकों ने शासन द्वारा शिक्षक से कराए जाने वाले गैर शिक्षकीय कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि सभी प्रकार के कार्य करने वाले शिक्षकों को कामचोर बोल कर अपमानित किया जा रहा है।

ऑटो पार्ट्स की दुकान में भीषण आग,दमकलकर्मी मौके पर

जांजगीर-चांपा, 16 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात में एक ऑटो पार्ट्स की दुकान पर अचानक भीषण आग लग गई। इस आगजनी की घटना में दुकान के अंदर रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया है। फिलहाल, आग किन कारणों से लगी, इसका पता नहीं चल सका है। दुकान के मालिक ने पुलिस में मामले की शिकायत की है। दुकान मालिक और आसपास के लोगों को आशंका है कि, किसी ने जानबूझकर आग लगाई है। फिलहाल, ये जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा की आग अपने आप लगी है, या किसी ने लगाई है।

मामला शिवरीनारायण थानाक्षेत्र का है।दरअसल, देवरी निवासी बंटी अग्रवाल देवरी मोड़ पर महामाया ट्रैक्टर ऑटो पार्ट्स के नाम से ऑटो पार्ट्स की दुकान चलाते है। हर दिन की तरह शुक्रवार को दिनभर उनकी दुकान खुली, और रात को वे दुकान बंद कर अपने घर चले गए। बताया गया कि, उसी रात करीब 2 बजे के आसपास उनके दुकान में आगजनी की घटना हुई। दुकान के आसपास रहने वाले लोगों ने धुआं उठता हुआ देखा। जिसके बाद घर से बाहर निकलने पर पता चला कि, यह धुआं ऑटो पार्ट्स की दुकान के अंदर से निकल रहा है। इसकी जानकारी दुकान मालिक बंटी अग्रवाल को दी गई।

जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। वहीं मौके पर आसपास के लोग भी इकट्ठे हो गए।आग की पकड़ती रफ्तार को को देखते हुए टुल्लू पंप से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन इतना काफी नहीं था, आग नहीं बुझ रही थी। फिर नगर पंचायत के टैंकर और फायर ब्रिगेड की गाड़ी को मौके पर बुलाया गया था। मगर तब तक अंदर रखा माल जलकर राख हो गया था। दोनो गाड़ियां जब तक पहुंचती, इससे पहले लोगों ने ही किसी तरह डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। बताया गया कि, आग लगने से अंदर रखा 20 लाख रुपए का माल जलकर राख हो गया है। दुकान मालिक बंटी अग्रवाल और आसपास के लोगों को आशंका है कि, किसी ने जानबूझकर आग लगाई है। फिलहाल, आग कैसे लगी इस बात का पता नहीं चल सका है।

अपनी पत्नी के कटे सिर को लेकर 12 किमी तक चलता रहा!

रायपुर, 16 जुलाई 2022। ओडिशा के धेनकानल के चंद्रशेखरपुर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है जहा एक शख्स ने अपनी पत्नी का गला काट दिया. इतना ही नहीं पति, पत्नी के कटे सिर को लेकर 12 किमी पैदल चलकर थाने पहुंच गया. पुलिस के मुताबिक नाकाफोड़ी मांझी ने अपनी पत्नी चंचला का गला काटकर हत्या कर दिया. चंचला के दो बेटे थे. इनमें से एक की शादी भी हो चुकी है. वहीं, क्रूरता भरी इस घटना के सामने आने के बाद चंद्रशेखरपुर में सभी लोग हैरान रह गए.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, माझी को शक था कि उसकी पत्नी के अवैध संबंध हैं. इसे लेकर दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ. इसके बाद माझी ने चंचला पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. चंचला की हत्या के बाद माझी अगले दिन सुबह पत्नी का कटा सिर लेकर पुलिस स्टेशन की ओर जाने लगा. हालांकि, कुछ लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस ने मामला दर्ज कर माझी को गिरफ्तार कर लिया।

बेकाबू बाइक पुल से नीचे गिरी,युवक की मौके पर मौत

राजनांदगांव, 16 जुलाई 2022। राजनांदगांव में एक बाइक अनियंत्रित होकर पुल से नीच गिर गई। इससे उसमें बैठे एक युवक की मौत हो गई है। जबकि 2 लोग घायल हुए हैं। सभी कांकेर से राजनांदगांव जा रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हो गया। हादसा सीतागांव थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, राजनांदगांव के औंधी निवासी जयपाल खलखो और चिगरू राम कांकेर के पखांजुर गए थे। वहां से वे अपने साथी राजपाल लकड़ा को लेकर वापस औंधी आ रहे थे। तीनों दोपहर के वक्त वापस लौट रहे थे। ये अभी मानपुर-औंधी मुख्य मार्ग में सेन्डावाही के पास पहुंचे थे। उसी वक्त ये हादसा हो गया है। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई है। बताया गया कि तीनों जैसे ही सेन्डावाही के पास पहुंचे, बाइक अनियंत्रित हुई और सीधे पुल से नीचे गिर गई। हादसे में मौके पर ही जयपाल खलखो की मौत हो गई। बाकी के दोनों युवक भी घायल हो गए थे। पुल के नीचे काफी पानी भरा हुआ था। इसलिए जब बाइक नीचे गिरी तो बाइक चला रहा युवक पानी के अंदर चला गया। जबकि उसके साथ पानी के किनारे गिरे थे। घटना के बाद आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया। वहीं जिस युवक की मौत हुई। उसे भी अस्पताल ले जाया गया था। मगर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कहा जा रहा है कि बाइक तेज रफ्तार में थी। जिसके चलते ये हादसा हुआ है।

शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले के रायपुर पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

रायपुर, 16 जुलाई 2022। विश्व शतरंज ओलंपियाड के 44वें सत्र की जिम्मेदारी भारत को सौंपी गई है। शतरंज ओलंपियाड के 95 वर्ष के इतिहास में यह पहला अवसर है जब भारत को विश्व शतरंज ओलंपियाड की मेजबानी करने का मौका मिला है। मुख्य आयोजन से पूर्व शतरंज ओलंपियाड की टॉर्च रिले देशभर में हो रही है। 19 जून से शुरू हुई शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले आगामी 28 जुलाई तक देश के विभिन्न राज्यों में पहुंचेगी। इसी कड़ी में शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले भुवनेश्वर (ओडिशा) से होते हुए आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंची। यहां अर्जुन अवॉर्डी ग्रैंड मास्टर प्रवीण थिप्से ने टॉर्च थामा।

शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले के स्वागत के लिए रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल पहुंचे। वहीं इस मौके पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव नीलम नामदेव एक्का, संचालक खेल एवं युवा कल्याण, श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा, उपाध्यक्ष विजय अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य शतरंज एसोसिएशन के अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंघानिया एवं महासचिव विनोद कुमार राठी मौजूद रहे। वहीं दो बार शतरंज में ओलंपिक तक पहुंची छत्तीसगढ़ की बेटी वुमन फीडे मास्टर किरण अग्रवाल भी मौजूद रहीं।

ढोल नगाड़े की धुन पर किया गया स्वागत

शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले का स्वामी विवेकानंद विमानतल के बाहर ढोल-नगाड़ों की धुनों के बीच पारंपरिक राउत नाचा की प्रस्तुति देकर स्वागत किया गया। वहीं विमानतल से पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम के लिए शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले विटेंज कार में निकली। इस बीच रायपुर के तेलीबांधा तालाब के सामने स्कूली बच्चों ने फूलों की वर्षा कर शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले का स्वागत किया। यहां शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले के संग तस्वीरें खिंचाने के लिए बच्चों में भारी उत्साह देखने को मिला।

वहीं शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले के स्वागत का अगला पड़ाव घड़ी चौक रहा, जहां शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले पहुंचते ही पूरे उल्लास के साथ खिलाड़ियों ने पुष्प वर्षा कर टॉर्च का स्वागत किया। जब शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम पहुँची तो शतरंज ओलंपियाड टॉर्च रिले के स्वागत के लिए पहुँचे बच्चे अलग-अलग देशों के ध्वज थामे दिखे। जहां बच्चों के द्वारा भारत माता की जय और वंदे मातरम् की जयघोष से पूरा ऑडिटोरियम परिसर गूंजता रहा। ऑडिटोरियम में अर्जुन अवॉर्डी ग्रैंड मास्टर प्रवीण थिप्से प्रदेश के प्रतिभाशाली 60 शतरंज खिलाड़ियों के साथ शतरंज बोर्ड पर साइमनटेनियस चेस खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया।

दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो से 10 लाख का गांजा जब्त, चालक मौके से फरार

जांजगीर-चांपा, 16 जुलाई 2022। मुलमुला पुलिस ने सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त लावारिस हालत में पड़ी स्कॉर्पियो में से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है. पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर थाना परिसर ले जा कर खड़ा किया गया है. नाप-तौल में 2 क्विंटल 52 किलो गांजा पाया गया. जिसकी कीमत 10 लाख 8 हजार रुपये बताई जा रही है.

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की रात अकलतरा से बिलासपुर मार्ग में मुलमुला पुलिस को सड़क हादसे की सूचना मिली थी. पुलिस ने जब मौके पर जाकर देखा तो खेत में एक दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो मिली. जिसके चालक मौके से फरार थे. पुलिस में गाड़ी की तलाशी ली तो उससे भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ. जिसके बाद पुलिस ने गांजे को जब्त कर लिया है.

ठेकेदार ने मेडिकल/ कॉलेज अस्पताल के कर्मचारियों को दी धमकी

जगदलपुर, 16 जुलाई 2022। मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल डिमरापाल में सुरक्षा का जिम्मा संभाल रही सीडीओ सेक्युरिटी प्रबंधन के मालिक अंजनी कुमार द्विवेदी ने आज मेडिकल कॉलेज परिसर में कर्मचारियों को खुलेआम धमकी दी कि यदि वे हड़ताल करेंगे तो उन्हें तत्काल नौकरी से निकाल दिया जाएगा। गौरतलब होकि मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल डिमरापाल के सुरक्षा गार्ड लगभग विगत 6 माह से लगातार वेतन संबन्धित समस्यायों को लेकर संघर्षरत हैं। कर्मचारियों ने बताया कि पूर्व में उन्हें शासन द्वारा तय न्यूनतम वेतनमान तक नही दिया जाता था। उन्हें महज़ 6000 मासिक अनुसार भुगतान किया जाता था। कर्मचारियों ने जनसभा संगठन की सदस्यता ली और उसके प्रयासों के बाद विगत 2 माह से अब कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन रुपये 9 हज़ार 5 सौ 40 के अनुसार वेतन और साप्ताहिक अवकाश मिलने लगा है।

वर्तमान में कर्मचारियों को प्रत्येक माह वेतन तय समय पर नही मिल रहा है, जिस कारण हर माह उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बात की अनेकों बार मौखिक शिकायत सुपर वायजरों, स्थानीय प्रबंधक से करने के बाद भी सुनवाई नही होने पर कर्मचारियों ने 15 तारिक तक पेमेंट नही आने पर सामूहिक रूप से कामबंदी का एलान किया है। इस एलान के बाद कंपनी के मालिक जगदलपुर पहुंचे और कर्मचारियों को सामुहिक रूप से बुलाकर धमकी दिया कि जो कोई हड़ताल करना चाहते हैं करो लेकिन वो जान ले कि वह दिन उनके नौकरी का अंतिम दिन रहेगा।

गड्ढे में गिरा 9 साल का मासूम,मौत

भिलाई, 16 जुलाई 2022। आम्रपाली वनांचल सिटी के पीछे एक डबरीनुमा गड्?ढे में मासूम के डूबने से मौत हो गई. वह खेलते-खेलते डबरी में गया और अचानक एक गड्?ढे में डूब गया. मृतक बच्चे की उम्र 9 साल है. इस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है. आगे की जांच की जा रही है. बताया गया कि, बच्चे के डूबने के बाद मोहल्लेवालों ने काफी की तब जाकर बच्चा गड्ढें में डूबा मिला, जिसके बाद लोगों ने उसे बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल लेकर गए. जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भाजपा पार्षद पीयूष मिश्रा भी पहुंचे. उन्होंने कहा कि, आम्रपाली वनांचल सिटी के आसपास इलाके में निर्माण पर बैन लगा हुआ है. बावजूद खुदाई हुई है. साथ ही निर्माण जारी है. आखिर निगम ने इस पर संज्ञान क्यों नहीं लिया. पीयूष का यह भी कहना कि, हाईकोर्ट से स्टे के बावजूद निर्माण जारी है आखिर निगम ने क्यों नहीं देखा.

घटना आम्रपाली के पीछे बने गढ्ढे की है, जिसे तालाब के रुप में लोग उपयोग करते हैं. पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है. जामुल टीआई याकुब मेनन ने बताया कि युवराज दुर्गा उर्फ बूटी 9 वर्ष अपने घर से शाम 6 बजे तीन दोस्तों के साथ निकला था. युवराज गढ्ढे में उतरने के बाद गहराई का अंदाजा नहीं होने से डूब गया. उसके साथ पहुंचे बालकों ने आसपास के लोगों को आवाज लगाई, लेकिन कोई सामने नहीं पहुंचा।

छापेमारी में करोड़ों रुपए की हेराफेरी का हुआ खुलासा, अधिकारियों ने कोल वाशरियों और डिपो में दी थी दबिश

रायपुर, 16 जुलाई 2022। रायगढ़, कोरबा, बिलासपुर और जांजगीर-चांपा जिले की कोल वाशरियों एवं कोल डिपो में गड़बड़ियों की शिकायत की जांच के लिए एक सप्ताह पूर्व राज्य सरकार के जांच दल ने छापा मारा था, जिसमें बड़ी गड़बड़ियां सामने आई है. कोल वाशरियों एवं कोल डिपो पर राज्य सरकार के खनिज, राजस्व, पुलिस, जीएसटी विभाग, पर्यावरण विभाग के संयुक्त जांच दल ने ताबड़तोड़ छापे मारे थे.

प्रारंभिक आंकलन में जीएसटी, माईनिंग रायल्टी में लगभग 300 करोड़ रुपए राशि की गैर कानूनी रूप से हेराफेरी सामने आई है. पर्यावरण नियमों का उल्लंघन भी पाया गया है.

कुछ मामलों में शासकीय भूमि, नॉन डायवर्टेड जमीन तथा आदिवासियों की जमीन का उपयोग पाया गया है. कुछ जगहों में नहर के रास्ते का गैर कानूनी रूप से उपयोग किया जा रहा है. विस्तृत विवेचना में अभी एक सप्ताह और लगेगा. गौरतलब है कि कोल वाशरियों एवं कोल डिपो में कोयले के स्टाक में गड़बड़ी सहित अन्य शिकायतों के मद्देनजर छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से खनिज, राजस्व, पुलिस एवं जीएसटी विभाग के अधिकारियों की गठित की गई संयुक्त टीमों ने 10 दिन पूर्व दबिश दी थी. कोयले के स्टाक सहित आवक-जावक, पर्यावरण नियम के उल्लंघन, भूमि संबंधी दस्तावेजों में कमियां, वेवब्रिज के कैलिब्रेशन में अंतर एवं अन्य कमियों की जांच की जा रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)